मगध विश्वविद्यालय
सुनहरे कल की ओर

सुनहरे कल की ओर

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया का विहंगम दृश्य

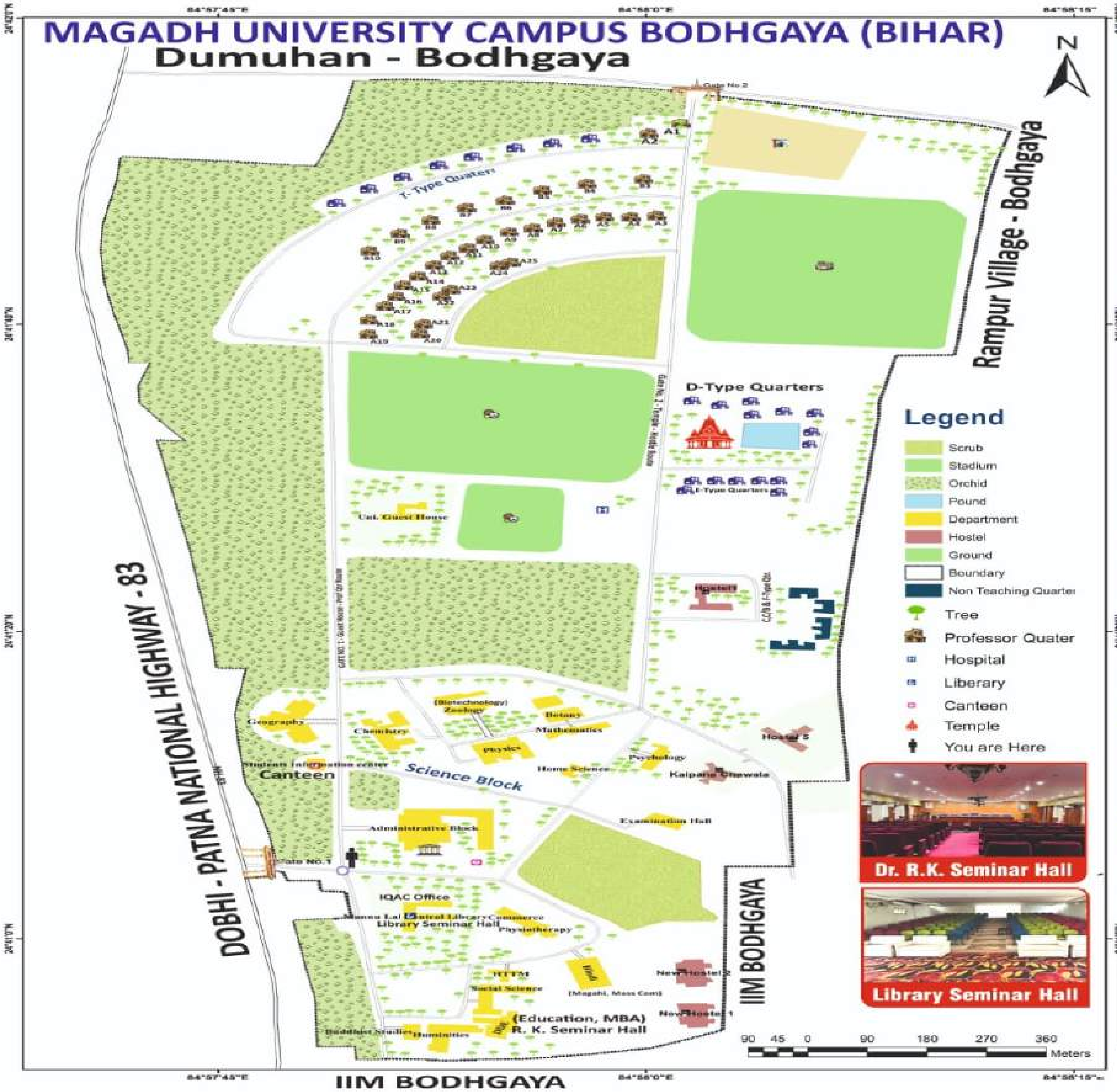

Administrative Block

Ground Floor

Left Side	Right Side
Ph.D. Section	Budget Section
Exam Technical	Account Section
P.G. Degree Section	Salary Section
Office, Jt. Controller	Pension Section
	Pay-Fixation
	Auditor (H.R.D.)
	Registration
	F.O. Office

First Floor

Left Side	Right Side
Registrar Office	P.I.O. Office
F.A. Office	Proctor Office
P.V.C. Office	C.C.D.C. Office
V.C. Office	Meeting Office
	Estate Office
	Affiliation Section
	Central Diary
	Establishment Section
	Nodal Office
	Promotion Cell
	Teacher's Assoc. Offi.

Second Floor

Left Side	Right Side
Verification Cell	Legal Office
Marks Section	Store Central
Degree Cell	N.S.S. Office
Cont. of Exam Office	Sport Office
	D.S.W. Office
	Engineering Office

Social Science

Left Side	Floor	Right Side
AIAS	Ground Floor	History
Pol. Science & Public Admin	1st Floor	Economics
IRRDM	2nd Floor	Sociology, LSW

Humanaties

Left Side	Floor	Right Side
Urdu	Ground Floor	Persian, Foreign Lang.
English	1st Floor	Sanskrit
Philosophy, Women Studies	2nd Floor	Pali & Prakrit

Important Centre in Campus	Distance in Meter	
	From Gate No-01	From Gate No-02
Administrative Block	290	1700
Guest House	900	1100
Library	230	1900
Professor Quarter (A3)	1500	320
Student Information Centre	350	1600
Health Centre	900	1100

Distance From MU Headquarter

- V.C Residence 12 Km
- Mahabodhi Temple 03 Km
- Airport 07 Km
- Railway Junction 15 Km

अमृतं तु विद्या

मगध विश्वविद्यालय

‘अमृतं तु विद्या’

‘अमृतं तु विद्या’ यह केवल ध्येयवाक्य नहीं है, यह मगध कुल का ‘गीत’ है, बुद्ध के ज्ञान का स्रोत है, सत्यज्ञान का ज्योति पुंज है, श्रुति परंपरा की अनुगूंज है। जो कभी क्षीण नहीं होगी उस विद्या का नाम है ‘अमृतं तु विद्या’। जो अपने गंतव्य तक सतत चलायमान रहने वाली है, वह ऊर्जा है ‘अमृतं तु विद्या’। इतिहास की धरोहर को भविष्य के लिए सँजोने का मंत्र है ‘अमृतं तु विद्या’। अपने स्थापना काल से ही मगध की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक थाती को समेटे हुए मगध विश्वविद्यालय एक विशेष प्रतीकचिह्न तथा ध्येयवाक्य से संवलित रहा है। इसका प्रतीक चिह्न जहाँ मगध की गौरवमयी गाथा का परिचायक है, वही ध्येयवाक्य ‘अमृतं तु विद्या’ उपनिषद् की श्रवण–मनन–निदिध्यासन की महनीय परंपरा का अवगाहक है। ‘अमृतं तु विद्या’ यह ध्येयवाक्य श्वेताश्वतरोपनिषद् के पांचवें अध्याय का प्रथम मंत्र है। पूर्ण मंत्र इस प्रकार है–

द्वे अक्षरे ब्रह्मपरे त्वनन्ते विद्याविद्ये निहिते यत्र गूढे ।

क्षरं त्वविद्या ह्यमृतं तु विद्या विद्याविद्ये ईशते यस्तु सोन्यः ।।

विद्या और अविद्या के स्वरूप की व्याख्या करते हुए इस मंत्र में अविद्या को क्षर अर्थात् शीर्ण होने वाली कहा गया है वहीं विद्या अमृतस्वरूप है। वस्तुतः संसार का कारण ‘अविद्या’ है, वहीं ‘विद्या’ मोक्ष की हेतु होकर अमृत स्वरूप वाली कही गई है। ईशावास्योपनिषद् में भी कहा गया है – ‘अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते’। अविद्या शब्द से उपनिषद् प्रतिपादित कर्म एवं ज्ञान का ग्रहण किया जाता है। सांसारिक जीवन में कृत कर्म, अनुष्ठान एवं सांसारिक ज्ञान सभी को ‘अविद्या’ शब्द से अभिहित माना गया है। वहीं विद्या अमृतरूप ही है। देवभाव को प्राप्त हो जाना ही अमृत है –तद्यमृतमुच्यते यद्देवतात्मगमनमिति’ (श्रुति) वस्तुतः अमृतत्व की प्राप्ति ही विद्या अर्थात् ब्रह्मज्ञान है वह ब्रह्मज्ञान जो मोक्ष की प्राप्ति का एकमात्र साधन है।

वस्तुतः भारतीय शिक्षा पद्धति मनुष्य को सर्वांगीण विकास की ओर उन्मुख करती हुई उसे परम लक्ष्य की प्राप्ति के योग्य बनाती है। उपनिषद् शब्द का तो अर्थ ही यही है–‘गुरु के समीप बैठ कर अध्ययन करना’ और जीवन दर्शन का साक्षात्कार करना। केवल किताबी शिक्षा नहीं अपितु जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करना और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझाना ही हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था का ध्येय रहा है और उपनिषदों में वर्णित परा–अपराविद्या का अंतिम लक्ष्य भी सत्य ज्ञान की प्राप्ति द्वारा स्व स्वरूप में अधिष्ठित होना ही रहा है। अतः मगध विश्वविद्यालय के प्रतीक चिह्न में संवलित ध्येयवाक्य ‘अमृतं तु विद्या’ इस विश्वविद्यालय को एक गहन–गंभीर, महनीय एवं सार्थक उद्देश्य की ओर अभिप्रेरित करता है, जो संभवतः इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय इसके प्रणेताओं के अंतःकरण में भी किसी रूप में अवश्य विद्यमान रहा होगा।

‘अमृतं तु विद्या’ की आधारशिला पर स्थापित मगध विश्वविद्यालय विद्या के सकल अर्थ का अनुप्रवर्तन करता हुआ सत्य ज्ञान के धरातल पर समग्र ज्ञान–विज्ञान का प्रश्रय लेता हुआ सनातन एवं शाश्वत तत्त्वज्ञानरूप अमृत का अध्येताओं को निरंतर आस्वादन करा रहा है और मगध विश्वविद्यालय के लिए प्रयुक्त इस ध्येयवाक्य की सार्थकता इसी बात में है कि विद्या के इस शाश्वत अभिप्रेत अर्थ को अधिगम स्तर के अंतिम छोर तक आत्मसात् करने के लिए संकल्पबद्ध प्रयास किए जाएँ, क्योंकि पितृ तर्पण, श्राद्ध आदि क्रियाओं द्वारा मृत हो चुके हमारे पूर्वजों (पितरों) को मुक्ति दिलाने वाली गया जी नगरी के निकट अधिष्ठित यह विश्वविद्यालय अपने समस्त विभागों, प्रभागों, अंगीभूत महाविद्यालयों सहित विद्या के अमृत द्वारा समस्त अध्येताओं, अध्यापकों एवं आगंतुकों के लिए परमसाध्य मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करने का सकल सामर्थ्य रखता है। आवश्यकता है तो केवल इतनी कि प्राचीन शिक्षा–पद्धति का अनुगमन करते हुए अध्ययन–अध्यापन की परंपरा में नैतिक मूल्य एवं आहार–विचार–व्यवहार की शुद्धि के मौलिक बीज वपित कर बोधिवृक्ष की विराट छाँव होने तक अपने भीतर धैर्य, संयम और आत्मनियंत्रण द्वारा इस वृक्ष को पल्लवित और पुष्पित करते हुए सत्य ज्ञान का मार्ग प्रशस्त हो और प्राचीन के साथ–साथ आधुनिकता का समुचित समन्वय स्थापित कर छात्र–छात्राओं के बीच ज्ञान का अमृत प्रसारित हो सके। विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी इन उपनिषद् वाक्यों के सार–तत्त्व का ग्रहण कर सकें, तो ‘अमृतं तु विद्या’ के मुक्त गान से झंकृत होकर मगध की विरासत और बिहार की धरती के ज्ञान स्वर्ण की चमक से यह विश्वविद्यालय समग्र विश्व को चमत्कृत कर सकता है। अतः इस ध्येयवाक्य को ‘जीवन–वाक्य’ बनाना होगा और नष्ट हो जाने वाली अविद्याकारी क्षणिक वस्तुओं के प्रति लोभ–मोह से मुक्त होकर सत्यज्ञान की आनंद यात्रा के पथ पर चलना होगा।

कुलगीत

मगध विश्वविद्यालय गुरुकुल की शान ।
'अमृतं तु विद्या' का मुक्त हस्त-दान ।।
बुद्धं शरणं, धम्मं शरणं।
संघं शरणं, ज्ञानं वरणं।।
गयाधाम-नालन्दा-पटना-गुरुद्वारे ।
राजर्षि-ब्रह्मर्षि-सप्तर्षि-सारे ।।
गौतम-सुजाता से इसकी पहचान ।
'अमृतं तु विद्या' का मुक्त हस्त-दान ।।
निरंजना के कण-कण से झंकृत प्रेम-राग ।
सुख-शान्ति-करुणा के सप्तक पर देश-राग ।।
अन्तस में रग-रग-स्पन्दित विज्ञान ।
'अमृतं तु विद्या' का मुक्त हस्त-दान ।।
सांख्य-योग-पराभक्ति-प्राची का पराज्ञान ।
'रसो वै सः' शील-समाधि-प्रज्ञा-दिव्यदान ।।
बोधिवृक्ष छाँह करे नर से भगवान् ।
'अमृतं तु विद्या' का मुक्त हस्त-दान ।।
मगध विश्वविद्यालय गुरुकुल की शान ।
'अमृतं तु विद्या' का मुक्त-हस्त-दान ।।
बुद्धं शरणं, धम्मं शरणं।
संघं शरणं, ज्ञानं वरणं।।

सुजाता द्वारा सिद्धार्थ को खीर खिलाते हुए दृश्य का चित्रांकन

महाबोधि मंदिर परिसर का पवित्र बोधि वृक्ष

विष्णुपद मंदिर, गया जी

सुजाता स्तूप, बकरौर, बोधगया

माननीय कुलपति प्रो. एस.पी. शाही की शिष्टाचार भेंट

श्री आरिफ मोहम्मद खां
माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति, बिहार

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार

श्री नितिन गडकरी, माननीय केन्द्रीय मंत्री,
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय केन्द्रीय मंत्री,
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

श्री सम्राट चौधरी
माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार

श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय मंत्री,
जल संसाधन विभाग, बिहार

श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर
माननीय पूर्व राज्यपाल, बिहार

श्री हरिवंश
माननीय उपसभापति, राज्यसभा

डॉ. प्रेम कुमार
माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा

श्री दिलीप कुमार जायसवाल, माननीय मंत्री,
पथ निर्माण एवं उद्योग विभाग, बिहार

पद्मश्री विमल कुमार जैन
प्रसिद्ध समाजसेवी

डॉ. विनीता सहाय
निदेशक, आई.आई.एम., बोधगया

शुभकामना संदेश

श्री आरिफ मोहम्मद खां

मान्नीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति

बिहार

आरिफ मोहम्मद खां
Arif Mohammed Khan

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना-800022
RAJ BHAVAN
PATNA-800022

13 नवम्बर, 2025

संदेश

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा इसके 22वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय की समग्र उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं पर आधारित एक 'कॉफी टेबल बुक' का प्रकाशन किया जा रहा है।

कॉफी टेबल बुक के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक मंगलकामनाएँ।

(आरिफ मोहम्मद खां)

कुलपति की कलम से...

प्रोफेसर शशि प्रताप शाही

कुलपति

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

बोधगया की पावन भूमि में बसा मगध विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षा–स्थल नहीं अपितु बौद्धिक जागरण, सांस्कृतिक धरोहर एवं परिवर्तनकारी शिक्षा का दीपस्तंभ है। फरवरी 2023 में जब मैंने इस विश्वविद्यालय के कुलपति के रुप में प्रभार ग्रहण किया था, उस समय बुनियादी ढाँचे की कमी, प्रशासनिक बाधाएँ, संसाधनों की कमी तथा वैश्विक मानकों से सामंजस्य की तत्काल आवश्यकता जैसी दुर्गम बाधाएँ थीं। विश्वविद्यालय के सत्र लगभग पाँच वर्ष पीछे चल रहे थे। नामांकन में भारी गिरावट आ गई थी। अकादमिक गतिविधियाँ एवं शोध कार्य ठप पड़ गये थे।

ऐसी विकट परिस्थितियों में मेरे लिए यहाँ विश्वविद्यालय को पटरी पर लाना काफी मुश्किल हो गया था लेकिन विश्वविद्यालय कर्मियों के सहयोग, उत्साह एवं सबके सामूहिक प्रयास तथा परिसर की जीवटता से प्रेरित होकर मैने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। समय गुजरता गया। परीक्षाएँ सत्रानुकूल हो गईं। नामांकन पूरी तरह पारदर्शी हो गये। अब तक लगभग तीन सौ से अधिक संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन हो चुका है। शोध की दुनिया में हमने काफी आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया, साथ ही कई महत्त्वपूर्ण पेटेंट भी हासिल किये। हमने सतत विकास एवं अंतर्विषयी अध्ययन में अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों द्वारा शैक्षिक उत्कृष्टता को पुनर्जीवित किया। अंतरराष्ट्रीय सहयोगों, प्रकाशनों एवं वित्तपोषित परियोजनाओं में वृद्धि द्वारा मौलिक शोध उत्पादन को बढ़ाया। परिसर में हाई–स्पीड WiFi, आधुनिक सुविधाओं वाले छात्रावासों, पौधरोपण जैसे पर्यावरण–अनुकूल पहलों द्वारा सुविधाओं को उन्नत किया।

यह बताते हुए हमें गर्व की अनुभूति हो रही है कि यह विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की पढ़ाई डिप्लोमा से लेकर पीएच. डी. तक प्रारंभ होने जा रही है। NAAC की तैयारी के अन्तर्गत हमने पिछले 10 वर्षों का AQAR जमा किया। यह कॉफी टेबल बुक मगध विश्वविद्यालय की इन सब उपलब्धियों का आईना है। मगध की शाश्वत विरासत एवं असीम संभावनाओं की स्मृति दिलाती हुई यह कॉफी टेबल बुक सामूहिक प्रयासों की शक्ति की गूँज है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी रहकर रात–दिन कार्य किया और विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। विश्वविद्यालय को आज राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने में मेरा कोई श्रेय नहीं है बल्कि सारा श्रेय विश्वविद्यालय परिवार का है। मैं सभी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ और विश्वविद्यालय को एक सुनहरे कल की ओर ले जाने के लिए दृढ संकल्पित हूँ।

सधन्यवाद।

मगध विश्वविद्यालय की आत्म कथा

मैं मगध विश्वविद्यालय हूँ। 01 मार्च, 2025 को मेरा 64वाँ जन्मोत्सव मनाया गया और 25 नवम्बर, 2025 को 22वाँ दीक्षांत समारोह भी भव्यता के साथ सम्पन्न किया गया। कालचक्र के अनवरत गतिमान यान पर सवार मैं हिरण्यगर्भ के स्फोट से आदिराग भैरव में निनादित प्रणव ध्वनि की अनुगूंज से लेकर अद्यतन प्रज्ञा–प्रभा से प्रसाधित अपनी यशः काया में ''रसो वै सः'' को अनूभूत कर रहा हूँ। सत्येन्द्र नारायण सिन्हा जैसे राजर्षि, शतानन्द गिरि जैसे देवर्षि और सूर्य प्रकाश नारायण पुरी सदृश ब्रह्मर्षि के तप:पुंज का राशिभूत स्वरूप जब अन्त:करण में संगीत की लय में ढलता है , वही तराना बनकर गुरुकुल की स्थापना का संकल्प लेता है। इसी संकल्प का विनियोग मैं हूँ।

मेरी अन्तश्चेतना में संगीत का मौन और मौन का संगीत स्पन्दित होने लगा। एक नवजात शिशु के रूप में मेरा जन्म 01 मार्च, 1962 ई० को हुआ। चिन्तन के क्षणों ने मुझे उत्प्रेरित किया कि आखिर मेरे नामकरण संस्कार के पुरोधाओं ने मेरा नाम 'मगध विश्वविद्यालय' क्यों रखा। निरुक्त, निघण्टु एवं शब्दकल्पद्रुम से लेकर संहिता, उपनिषद्, ब्राह्मण, आरण्यक, शिक्षा, कल्प, व्याकरण, छन्द, ज्योतिष, रामायण, महाभारत, दर्शन, जैन आगम, त्रिपिटक, बाइबल, कुरान, हदीस, गुरुग्रन्थ साहब के साथ वाचस्पत्यम् के पन्नों में झाँकने पर व्युत्पत्तिमूलक विद्या से ज्ञात हुआ कि 'मग' का अर्थ मार्ग, रास्ता, पथ और सूर्य होता है और 'धः' ब्रह्मा का विशेषण, कुबेर, नेकी, भलाई है। 'धा' का अर्थ सम्पत्ति है। इस प्रकार 'मगध अच्' अथवा 'मग़धा़क' से मेरी भाषा की वैज्ञानिक निर्मिति हुई। 'दशकुमारचरितम्' में दण्डी ने 'मगधेषु पुष्पपुरी नाम नगरी' कहा तथा कालिदास ने रघुवंशम् में घोषणा की– 'अगाध सत्त्वोमगध:प्रतिष्ठः'। 'धा' का एक अर्थ दिखलाना भी होता है। अर्थात् जो मार्ग दिखलाने का कार्य करे वह 'मगध' है।

प्रागैतिहासिक काल का 'कीकट' (ब्रात्यों की नगरी), अनार्यों की भूमि, वैदिक काल का 'ब्रह्मगंगा' रामायण काल की 'ब्रह्मपुरी': महाभारत काल का 'मगध' और 'गयापुरी', श्रीमद्भागवत की 'अमरावती' तथा 'देवनगरी', मुगल–काल का 'आलमगीरपुर', सुल्तान–काल का बिहार जिला और अंग्रेजी सल्तनत का 'अन्दर गया' एवं 'साहबगंज' 3 अक्टूबर, 1865 को गया जिला बना जो प्रशासनिक मुख्यालय का केन्द्र रहा किन्तु शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से बोधगया की अपनी अस्मिता बनी रही।

अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में झांकने पर गुरुकुल, गुरु आश्रम, सिद्धाश्रम, श्रमण, बौद्ध विहार, मठ, मकतब, मदरसा, स्कूल, विश्वविद्यालय (तक्षशिक्षा, नालन्दा, उदन्तपुरी और तिलाधक), गुरुपिण्डा आदि स्थानवाची शब्दों की अक्षर–यात्रा 1857 में कोलकाता (कलकत्ता) विश्वविद्यालय के रूप में मेरी पहली पीढ़ी, 1912 में पटना विश्वविद्यालय की दूसरी पीढ़ी, 1952 में बिहार विश्वविद्यालय के रूप में तीसरी पीढ़ी की कोख में प्रारंभ हुई है। शुकदेव जी की तरह एक लम्बे अरसे के बाद मेरा दृश्यजगत् में आविर्भाव हुआ। मेरे लिए पालना का निर्माण तत्कालीन शिक्षामंत्री एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा ने किया। बोधगया मठ के महन्त शातानन्द गिरि तथा बुधौली के महन्त डॉ० सूर्य प्रकाश नारायण पुरी ने स्वतः स्फूर्त भाव से क्रीड़ा–भूमि प्रदान की। 300 एकड़ (बोधगया) और 230 एकड़ (बुधौली) भूमि मेरे आवासन के लिए उपलब्ध हो गयी। इतना ही नहीं सारस्वत साधना के चौथे

मगध विश्वविद्यालय
बोध गया

ऋत्विक गोपाल कृष्ण महाजन बने जिन्होंने अपने मन्नूलाल पुस्तकालय के 16000 ग्रन्थों एवं 500 दुर्लभ पाण्डुलिपियों को प्रदान कर मेरा ज्ञान–कोष भर दिया। इस सन्दर्भ में यह ध्यातव्य है कि मन्नूलाल पुस्तकालय का उद्घाटन गया के मुरारपुर मोहल्ले में पण्डित मदन मोहन मालवीय ने 11 फरवरी, 1911 ई० को किया था।

1 मार्च, 1962 को मगध विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। गया स्थित मुरारपुर में अध्ययन–अध्यापन हेतु हमारे गुरुकुल के प्रथम कुलपति पटना विश्वविद्यालय के प्रख्यात इतिहासविद् प्रोफेसर काली किंकर दत्त हुए। प्रथम कुलसचिव केशव प्रसाद सिन्हा एवं प्रथम अंगीभूत महाविद्यालय होने का श्रेय गया कॉलेज को है जिसे 16 अप्रैल, 1962 को अंगीकृत कर मैने गोद ले लिया। इसके कुछ दिनों के बाद अप्रैल में एच०डी० जैन कॉलेज, आरा को अंगीकृत किया गया। स्वाभाविक रूप से अपना भवन नहीं होने के कारण मैं थोड़ा उदास रहता था। प्रारंभ में इतिहास, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, गणित, हिन्दी एवं दर्शन शास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन का संचालन हुआ। प्रथम समावर्तन समारोह दिनांक 19 जनवरी, 1963 को सम्पन्न हुआ, जिसमें उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी०पी० सिंह मुख्य अतिथि थे तथा बिहार प्रान्त के राज्यपाल–सह–विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति अनन्तशयनम आयंगर ने अध्यक्षता की थी। अगले वर्ष बोधगया प्रांगण में 20 अगस्त, 1964 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने विश्वविद्यालय मुख्यालय की आधारशिला रखी जिसका भी श्रेय शिक्षा मंत्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा को है एवं क्रम से कालान्तर में अन्य विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन प्रारंभ किए गये और साथ ही अपने नए भवन में जाने तक गया कॉलेज के मंच पर ही समावर्तन समारोह होते रहे। अगला समावर्तन समारोह इस मंच पर 15 दिसम्बर, 1967 को हुआ जिसमें विश्वभारती शान्ति

निकेतन के कुलपति कालिदास भट्टाचार्य मुख्य अतिथि एवं नित्यानन्द कानूनगो, राज्यपाल–सह–कुलाधिपति, बिहार ने अध्यक्षता की। तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर विश्वमोहन कुमार सिन्हा के कार्यकाल में दिनांक 15 दिसम्बर, 1969 को बोधगया के वर्तमान परिसर में मेरी स्थापना हुई। नये–नये विभाग, नये भवन, नये छात्रावास, स्वास्थ्य केन्द्र, अतिथि भवन बनते गये और मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। किन्तु शाहाबाद जिले के भूभाग को चिन्हित कर 22 अक्टूबर, 1992 को वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय तथा पटना, नालन्दा जिले के महाविद्यालयों के साथ 18 मार्च, 2018 को पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ मेरे लम्बे–चौड़े आंगन को छोटा कर दिया गया। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की स्थापना हो गई। मैं चुपचाप निर्निमेष नेत्रों से देखता रहा। 1962 में ही विश्वविद्यालय का सूत्र वाक्य 'अमृतं तु विद्या' अंगीकार कर 'प्रतीक चिह्न' बनाया गया। 1994 ई० में 'मगध विश्वविद्यालय गुरुकुल की शान' कुलगीत के रूप में तथा 2010 ई० में सुनहले रंग का 'कुल–ध्वज' अंगीकार किया गया। नये आँगन में आने के बाद विभागों की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई, किन्तु आयतन सिकुड़ता गया।

संप्रति 20 अंगीभूत, एक घाटानुदानित अल्पसंख्यक, 56 संबद्ध एवं 44 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं। लगभग 12 स्ववित्त पोषित विभाग हैं जिन्हें व्यावसायिक एवं समाजोपयोगी ढंग से संचालित करने हेतु 'केन्द्रीय प्रबंधन परिषद्' का पुनर्गठन हो चुका है। समुचित संचालन के लिए सम्बन्धन समिति, विद्वत् परिषद्, परीक्षा समिति, वित्त समिति, अभिषद् एवं अधिषद् की नियमित बैठक एवं यथोचित निर्णय शैक्षिक, वित्तीय एवं प्रशासनिक गुणवत्ता का नियमन करते हैं। उत्तर भारत में उच्च शिक्षा का कोई ऐसा केन्द्र नहीं है जहाँ इतनी संख्या में विदेशी छात्र अध्ययनरत हों।

चिकित्सा, प्रशासन, प्रबंधन, राजनीति, व्यापार, अभियंत्रण, समाजसेवा में मेरे विद्यार्थीगण मेरा नाम रौशन कर रहे हैं। एन०सी०सी० एवं एन०एस०एस० के छात्र कई बार गणतंत्र दिवस के परेड में अपनी सहभागिता एवं कुशल प्रदर्शन से राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत हो चुके हैं। विदेशों में भी शिरकत कर चुके हैं। 1981 में प्रथम बार अखिल भारतीय इतिहास अधिवेशन मेरे प्रांगण में हो चुका है। बिहार राज्य में प्रथम सांस्कृतिक महोत्सव 'तरंग' (2008) को आयोजित करने का श्रेय मुझे ही मिला है जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति माननीया प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने अपनी उपस्थिति से मेरे पावन परिसर को तरंगित किया है। अभी 6–8 फरवरी, 2020 में एसोसिएशन फॉर इंग्लिश स्टडीज ऑफ इंडिया के तत्त्वावधान में इसके 80 वर्षों के इतिहास में मेरे ही परिसर में अंग्रेजी विभाग के द्वारा 64वाँ ऑल इंडिया इंग्लिश टीचर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। मुझे राज्य में इसके प्रथम आयोजन का श्रेय प्राप्त हुआ। खेल–कूद एवं कला प्रदर्शन में भी मेरे विद्यार्थियों का अप्रतिम योगदान है।

उपनिषद् वाणी से अपनी आत्मकथा पर विराम देना चाहता हूँ – ऊँ सहनाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै। तेजस्विनावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै।

मगध का ऐतिहासिक गौरव– प्राचीन नालान्दा विश्वविद्यायल का ध्वंसावशेष

सत्येन्द्र नारायण सिन्हा (1917-2006)

स्वतंत्रता सेनानी एवं भूतपूर्व मुख्यमंत्री, बिहार

(मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के संस्थापक)

केन्द्रीय पुस्तकालय

मगध विश्वविद्यालय में गोपाल कृष्ण महाजन द्वारा 16000 ग्रन्थों एवं 500 दुर्लभ पाण्डुलिपियों को प्रदान कर एक बहुमंजिला मन्नुलाल केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना 1962 ई० में की गई थी। वर्तमान में इस केन्द्रीय पुस्तकालय में लगभग 163974 (एक लाख तिरसठ हजार नौ सौ चौहत्तर) पुस्तकें, 2500 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ एवं अन्य कई पठन सामग्रियों का संग्रह है। इसके अलावे इस पुस्तकालय में कई दुर्लभ पुस्तकें, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ एवं शोध सामग्री उपलबध है।

विभिन्न संकाय और विभाग : शिक्षा का विस्तृत परिदृश्य

1962 में स्थापित मगध विश्वविद्यालय आज बिहार के सबसे विस्तृत विश्वविद्यालयों में से एक है, जो अनेक संकायों, विभागों और महाविद्यालयों के संचालन के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों को ज्ञान और कौशल का दीप प्रदान कर रहा है।

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों के अंतर्गत अनेक विभाग संचालित हैं, जो स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध स्तर पर अध्ययन–अध्यापन का कार्य करते हैं।

मुख्य संकाय

1. विज्ञान संकाय
2. वाणिज्य संकाय
3. मानविकी संकाय
4. सामाजिक विज्ञान संकाय
5. प्रबंधन संकाय
6. शिक्षा संकाय

प्रमुख विभाग

- भौतिकी, रसायनशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, गणित, भूगोल एवं सूचना प्रौद्योगिकी
- अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, प्राचीन इतिहास, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध **(PMIR)**
- संस्कृत, उर्दू, हिंदी, अंग्रेजी, पालि, दर्शनशास्त्र, फारसी एवं मगही
- प्रबंधन, लोक प्रशासन, पर्यावरण विज्ञान, महिला अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी, शिक्षा, पत्रकारिता एवं जनसंचार।

इन विभागों के माध्यम से पारम्परिक विषयों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान की जा रही है।

P.G.
DEPARTMENT
OF
CHEMISTRY
CHEMISTRY
DEPARTMENT OF BOTANY
गणित विभाग

अंगीभूत कॉलेज : पुनरुत्थान की मिसाल

मगध विश्वविद्यालय के अधीन 20 अंगीभूत कॉलेज हैं। ये कॉलेज विश्वविद्यालय की रीढ़ हैं, जहाँ हजारों छात्र–छात्राएँ स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करते हैं।

प्रमुख अंगीभूत कॉलेजों में हैं:–

- गया कॉलेज, गया
- ए.एम. कॉलेज, गया
- जे.जे. कॉलेज, गया
- एस.एम.एस.जी. कॉलेज, शेरघाटी, गया
- एस.एन.एस. कॉलेज, टेकारी, गया
- जी.बी.एम. कॉलेज, गया
- के.एल.एस. कॉलेज, नवादा
- टी.एस. कॉलेज, हिसुआ, नवादा
- आर.एम.डब्ल्यू. कॉलेज, नवादा
- एस.एन. सिन्हा महाविद्यालय, वारिसलीगंज, नवादा
- एस.एन.एस. कॉलेज, जहानाबाद
- एस.एस. कॉलेज, जहानाबाद
- ए.एन.एस. कॉलेज, नबीनगर, औरंगाबाद
- आर.एल.एस.वाई. कॉलेज, औरंगाबाद
- किशोरी सिन्हा महिला कॉलेज, औरंगाबाद
- दाउदनगर महाविद्यालय, दाउदनगर, औरंगाबाद
- एस. सिन्हा महाविद्यालय, औरंगाबाद
- एस.डी. कॉलेज, कलेर, अरवल
- एस.बी.ए.एन. कॉलेज, दरहेटा लारी, अरवल
- राजकीय महाविद्यालय, अरवल

संबद्ध कॉलेज : शहर से गाँव तक शिक्षा का विस्तार

मगध विश्वविद्यालय के अधीन 60 से अधिक संबद्ध कॉलेज कार्यरत हैं, जो बिहार के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में शिक्षा की रोशनी फैला रहे हैं।

इनमें प्रमुख हैं–

महावीर कॉलेज (गया), श्री कृष्ण महिला कॉलेज (जहानाबाद), महाबोधि कॉलेज (बेलागंज), कृषक कॉलेज (पकरीबरावाँ), गौतम बुद्ध कॉलेज (बेलागंज), शहीद जगदेव स्मारक कॉलेज (कुर्था), अनुग्रह स्मारक कॉलेज (जहानाबाद), डॉ० विजय कुमार सिंह कॉलेज (रफीगंज), संजय गांधी महिला कॉलेज (बैरागी), प्रो. विजय शंकर राय महिला कॉलेज (शेरघाटी), लालू मंडल कॉलेज (गया), रामलखन सिंह यादव कॉलेज (जहानाबाद), एस०आर०एस० कॉलेज (नवादा), एस०के०एम० कॉलेज (नवादा) और राधाकृष्ण महाविद्यालय (औरंगाबाद)।

विषय सूची

- चुनौतियों की दीवार
- परिवर्तन की पहल
- उपलब्धियों की गूँज
- सुनहरे भविष्य की ओर

चुनौतियों की दीवार

विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- 1962 में स्थापित मगध विश्वविद्यालय का उद्देश्य था, बिहार के दक्षिणी अंचल में उच्च शिक्षा की ज्योति जलाना।
- यह विश्वविद्यालय अपने विशाल भौगोलिक क्षेत्र, अनेक महाविद्यालयों और विविध विषयों के अध्ययन–अध्यापन के लिए प्रसिद्ध रहा है।
- ज्ञान और मोक्ष की भूमि पर स्थित यह संस्थान शिक्षा, अध्यात्म और मानवता के मूल्यों का संगम रहा है।

चुनौतियाँ

- समय के साथ अनेक प्रशासनिक और भौतिक कठिनाइयों ने इसकी चमक को मध्यम कर दिया था।
- विभागों की इमारतें जर्जर थीं, अवसंरचना कमजोर थी, प्रयोगशालाओं में उपकरणों की कमी थी, पुस्तकालयों में पुस्तकों और डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता सीमित थी। छात्रावासों और कक्षाओं की दशा भी दयनीय थी, जिससे शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हुआ। कोविड के कारण उक्त परिस्थितियाँ और भी चनौतीपूर्ण हो गई।

कुलपति प्रो. एस.पी. शाही का आगमन : नवसंजीवनी का सूत्रपात

बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने ए.एन. कॉलेज, पटना के तत्कालीन प्राचार्य प्रोफेसर एस.पी. शाही की कार्यकुशलता से प्रभावित होकर फरवरी 2023 में उन्हें मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति पद का दायित्व सौंपा।

प्रो. एस.पी. शाही के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में विकास, नवाचार और पुनरुत्थान का एक सुनहरा दौर आरंभ हुआ। उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही यह स्पष्ट कर दिया कि विश्वविद्यालय केवल इमारतों और भवनों का समूह नहीं, बल्कि 'ज्ञान का जीवंत केंद्र' है, जिसे समय की मांग के अनुरूप आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाना होगा। इस हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं को उन्होंने प्राथमिकता सूची में रखा:

1. संरचना का पुनरुद्धार और नवीनीकरण
2. शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार
3. डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और प्रशासनिक पारदर्शिता
4. विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं में सुधार

शैक्षणिक सुधार हेतु सिंडिकेट की बैठक

प्रशासनिक भवन का जीर्णोद्धार

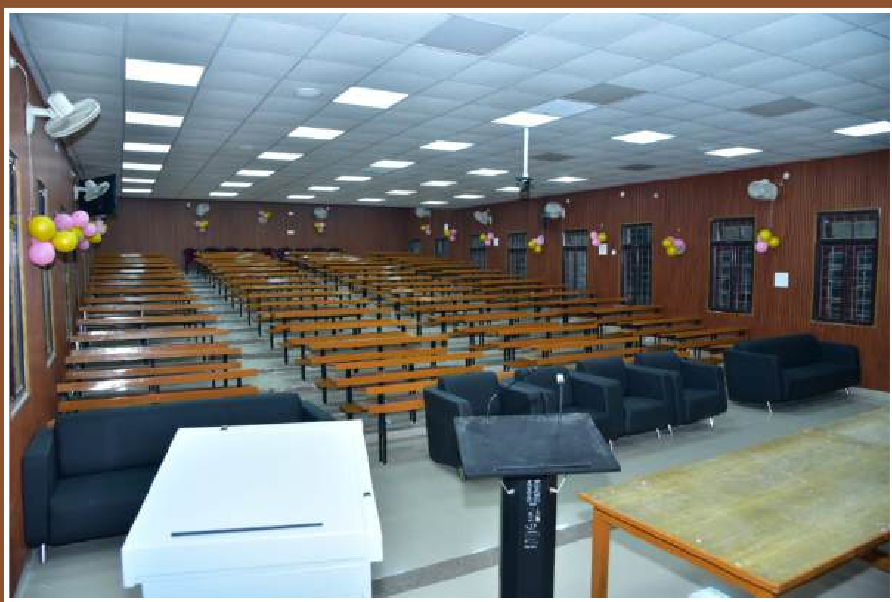

गणित विभाग में सेमिनार हॉल का नवीनीकरण

हिन्दी विभाग का नवीनीकरण

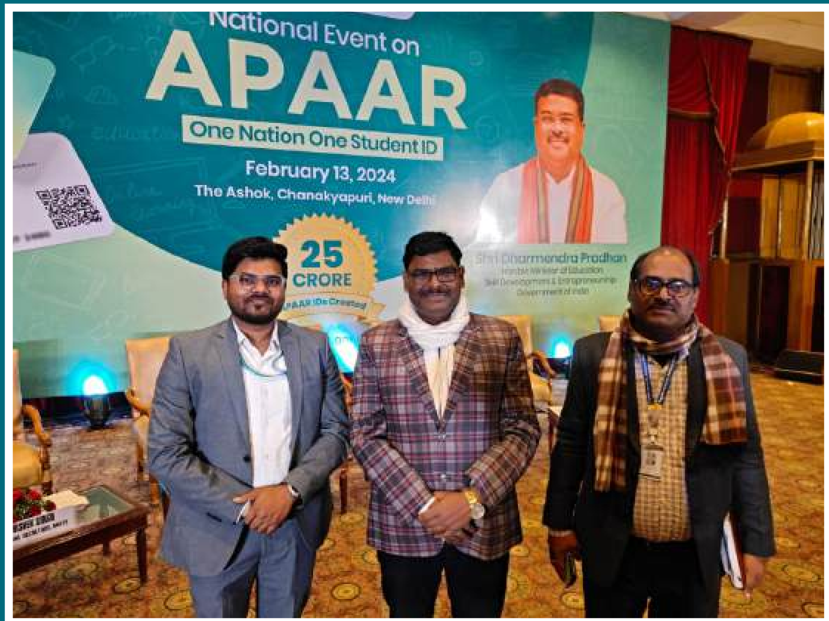

डॉ. रवि कुमार, स. परीक्षा नियंत्रक,म.वि.वि. **APAAR** प्रशिक्षण में भाग लेते हुए

MOOCs Studio का उद्घाटन

MSME, GoI के साथ MOU

शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की प्रोन्नति परीक्षा का निरीक्षण करते हुए कुलपति

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर विभागों का उद्घाटन

पारदर्शी नामांकन व परीक्षा प्रणाली

फरवरी 2023 से मगध विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और छात्र सुविधा को प्राथमिकता देते हुए प्रवेश प्रक्रिया एवं परीक्षा विभाग के कार्यो का पूर्णतः डिजिटलीकरण आरंभ किया है। यह पहल उच्च शिक्षा में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रवेश प्रक्रिया का डिजिटलीकरण

- सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई।
- आवेदन पत्र भरने, दस्तावेज़ अपलोड करने (जैसे – मार्कशीट, जाति प्रमाण पत्र, फोटो, हस्ताक्षर) और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन की गई है।
- मेरिट सूची भी वेबसाइट पर प्रकाशित की जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है।
- काउंसलिंग एवं प्रवेश प्रक्रिया भी डिजिटल माध्यम से संचालित होती है।

परीक्षा विभाग का डिजिटलीकरण

- छात्रों को ऑनलाइन एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की सुविधा दी गई है।
- परीक्षा फॉर्म भरने, शुल्क भुगतान और परिणाम देखने की प्रक्रिया अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।
- विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल पर छात्रों के लिए लॉगिन सिस्टम विकसित किया है, जिसमें पासवर्ड नाम और जन्मतिथि के आधार पर बनाया जाता है।
- सत्र 2022–25 और उसके बाद के लिएए स्व–प्रमाणीकरण के लिए मार्कशीट पर क्यूआर कोड (फत्ब्कम) प्रदान किया गया है।
- तकनीकी सहायता के लिए हेल्पलाइन और ईमेल सपोर्ट भी सक्रिय किया गया है।

प्रमुख उपलब्धियाँ :

- स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रणाली की स्थापना
- दस्तावेज़ अपलोड, शुल्क भुगतान और मेरिट सूची प्रकाशन की प्रक्रिया पूर्णत: डिजिटल
- परीक्षा फॉर्म, एडमिट कार्ड और परिणाम की ऑनलाइन उपलब्धता
- छात्र लॉगिन पोर्टल के माध्यम से व्यक्तिगत सूचना एवं परीक्षा विवरण की पहुँच
- तकनीकी सहायता हेतु हेल्पलाइन एवं ईमेल सपोर्ट की व्यवस्था
- कुल **155** परीक्षाएं संचालित कर परिणाम घोषित किया गया।
- 1.5 लाख से अधिक छात्रों ने अपार आईडी बनाई है और उनके परिणाम राष्ट्रीय डिपॉजिटरी पर अपलोड किए गए हैं।

इस डिजिटलीकरण से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आई है, बल्कि छात्रों को समयबद्ध और सुलभ सेवाएँ प्राप्त हो रही हैं। साथ ही, विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा मिशन के अनुरूप सुदृढ़ हुई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की सुविधा हेतु हेल्पलाइन और ईमेल सपोर्ट भी सक्रिय किया है।

यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के डिजिटल समावेशन के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

परिवर्तन की पहल

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ (RDC)

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में रिसर्च डेवलपमेंट सेल (**RDC**) की स्थापना यूजीसी पत्र संख्या **F.K No.1-5-2021 (NEP-DESK-PARL),** दिनांक 14 मार्च 2022 के अनुपालन में, माननीय कुलपति प्रो० शशि प्रताप शाही के मार्गदर्शन में की गई। **RDC** का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान, नवाचार और ज्ञान सृजन की संस्कृति को बढ़ावा देना है और यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP) 2020** के लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करता है।

यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ और सुव्यवस्थित करता है। **RDC** ऐसे नवाचारी प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित करता है जो शैक्षणिक उन्नति के साथ–साथ स्थानीय और क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करें और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करें। वर्तमान में डॉ० नृपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव इस सेल के निदेशक हैं।

RDC के उद्देश्य–

- उच्च गुणवत्ता, नवाचारी और अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- फैकल्टी सदस्यों को स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय महत्व की समस्याओं के समाधान में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- यूजीसी दिशानिर्देशों और **NEP-2020** के अनुसार अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करना।
- परियोजनाओं के प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रणाली स्थापित करना।
- उद्योग–अकादमी और समुदाय के साथ सहयोग स्थापित कर सतत विकास को बढ़ावा देना।

लघु शोध परियोजनाएँ

माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार **RDC** द्वारा लघु शोध परियोजनाओं के लिए योग्य आवेदकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गये हैं ताकि विश्वविद्यालय में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शैक्षणिक विकास के साथ–साथ स्थानीय सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक समस्याओं पर शोध कर समाधान निकालना और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ना है।

लघु शोध परियोजनाओं के आवंटन के लिए नियमावली (**Regulations**) बनाई गई हैं, जिन्हें अकादमिक परिषद, सिंडिकेट और अधिषद् से अनुमोदित किया गया है। इससे परियोजनाओं की पूर्ण प्रक्रिया नियमसंगत और पारदर्शी बनी रहती है।

इन पहलों के माध्यम से, **RDC** विश्वविद्यालय में एक जीवंत अनुसंधान वातावरण का निर्माण करता है और फैकल्टी को अर्थपूर्ण और समाधान–केंद्रित अनुसंधान करने के लिए प्रेरित करता है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव दोनों को बढ़ावा देता है।

विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा प्राप्त प्रमुख शोध परियोजनाएँ

A. DST-SERB :

Sl. No.	Name of The Teachers	Name of the Project	Total Amount	Duration
1	Dr. Ekta Verma (PG Dept. of Botany)	Phylogenetic analysis of cyanobacterial population from hypersaline mangrove regions of Gujarat and their bioprospection for anticancer compounds	30.00 Lakh	2 Years
2	Dr. Sumit Kumar (PG Dept. of Chemistry)	Qualitative estimation of $n \rightarrow \pi^*$ interaction in biomolecules: A quantum chemical calculation study	11.10 Lakh	2 Years

B. ICSSR : Major Research Project

Sl. No.	Name of The Teachers	Name of the Project	Total Amount	Duration
1	Dr. Vandana Kumari (PG Dept. of Sociology)	Bioregionalism in local Narratives: Understanding Ecology and Sustainability in Tribal Culture with special reference to Lapcha Movement against NHPC in Dzoungu of Sikkim	07.00 Lakh	
2	Prof. Mukesh Kumar (PG Dept. of History)	Health and Hygiene status of Tea Garden Workers: With reference to North Bengal tea gardens.	14.00 Lakh	2 Years
3	Dr. Priyam Sharma (PG Dept. of Sociology)	Subaltern Voices in Healthcare: Exploring Indigenous Medical Knowledge System among Santhal Tribes in Bihar	13.00 Lakh	2 Years

C. ICSSR : Minor Research Project

Sl. No.	Name of The Teachers	Name of the Project	Total Amount	Duration
1	Dr. Pintu Kumar (PI) (PG Dept. of Geography) & Dr. Rakesh Kr. Ranjan (Co. PI) (PG Dept. of Hindi)	Socio-economic Changes around Buddhist Circuit in Bihar and its Impact on Livelihoods of Scheduled Castes.	08.58 Lakh	1 Year

D. UGC : Science

Sl. No.	Name of The Teachers	Name of the Project	Total Amount	Duration
1	Dr. Ravi Kumar Singh (PG Dept. of Botany)	Study of Fenugreek Genome and Genomic novelties related to secondary Metabolites	10.00 Lakh	2 Years
2	Dr. Roushan Kumar (PG Dept. of Zoology)	Research Start-Up Grant	10.00 Lakh	2 Years
3	Dr. Renu Rani (PG Dept. of Physics)	Research Start-Up Grant	10.00 Lakh	2 Years

E. UGC : Social Science

Sl. No.	Name of The Teachers	Name of the Project	Total Amount	Duration
1	Prof. Mukesh Kumar (PG Dept. of History)	Agrarian Social Structure of Bihar in the 19th Century: A Case Study of Agricultural Labourers in Gaya District	00.70 Lakh	2 Years
2	Prof. Piyush Kamal Sinha (PG Dept. of History)	From Religion to Politics: The Tana Bhagat Movement of Chhota Nagpur	01.25 Lakh	2 Years
3	Prof. Manish Sinha (PG Dept. of History)	Revisiting the Revolt of 1857 in Gaya	01.25 Lakh	2 Years

F. Post Doctoral Fellowship :

Sl. No.	Name of The Teacher	Name of the agency	Name of the Project	Total Amount	Duration
1	Dr. Vijay Kant Yadav	ICSSR	Post Doctoral Fellowship	Rs.1,98,500	2 Years
1	Dr. P.K. Dhal	The Global Harmony Association of Russia	International Projects: The ABC of Harmony for World Peace, Harmonius Civilization and Tetra Net Thinking	10 Lakh	4 Years

समझौता ज्ञापन (MoU)

कुलपति प्रो. एस.पी. शाही के नेतृत्व में मगध विश्वविद्यालय द्वारा देश–विदेश के विभिन्न संस्थानों के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। इन समझौता ज्ञापनों (MoUs) का उद्देश्य विभिन्न संस्थानों और मगध विश्वविद्यालय के मध्य शैक्षणिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सहयोग के लिए एक सशक्त पृष्ठभूमि तैयार करना है, ताकि शोध को बढ़ावा दिया जा सके और समाज की शैक्षणिक, आर्थिक उन्नति और आध्यात्मिक कल्याण के लिए मिलकर कार्य किया जा सके।

(A) अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

1. प्रबोरोमार्जचनोक संस्थान, लोक स्वास्थ्य मंत्रालय, थाईलैंड (25/11/2023)
2. एस्पायर संस्थान, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका (14/03/2024)

(B) राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

1. उदय प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (23/03/2023)
2. सरदार पटेल वि   वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश (30/10/2023)
3. आई.आई.टी., मुंबई (01/03/2024)
4. वैश्विक संस्कृत मंच **(GSF),** नई दिल्ली (29/07/2024)
5. महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान (19/10/2024)
6. श्री रविशंकर – द आर्ट ऑफ़ लिविंग **(TAOL)** (10/03/2025)
7. जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश (28/07/2025)
8. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश (03/09/2025)
9. श्री शंकराचार्य मठ, बोधगया (21/03/2025)
10. पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी एंड अलाइड मेमोरियल कैंसर संस्थान, पटना (11/03/ 2025)

सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश
के साथ समझौता ज्ञापन

शंकराचार्य मठ परिसर, बोधगया

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया और जीवाजी विश्वविद्यालय,
ग्वालियर, म.प्र. के बीच समझौता ज्ञापन

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया एवं शंकराचार्य मठ के
मध्य विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से
संबंधित समझौता ज्ञापन

द आर्ट ऑफ लिविंग (TAOL) के साथ समझौता ज्ञापन

थाईलैंड प्रतिनिधि मंडल के साथ समझौता ज्ञापन

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिनांक 10 अप्रैल 2024 को मगध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ का गठन किया गया। यूजीसी के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय ने छह विद्यार्थियों को 'सारथी **(Student Ambassadors for Academic Reforms in Transforming Higher Education in India)** के रूप में नामित किया है। साथ ही, एक एनईपी हेल्प डेस्क की स्थापना भी की गई है, जो नीति संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान करने और जागरूकता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। एनईपी प्रकोष्ठ परिसर में वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता, पैनल चर्चा, नुक्कड़ नाटक तथा जागरूकता रैली जैसी विविध गतिविधियों का संचालन करता है। इन प्रयासों के माध्यम से विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति गहन समझ और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में शामिल है –

- 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 – साकारात्मक एवं नाकारात्मक' पक्ष पर वाद–विवाद प्रतियोगिता
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं ज्ञान परम्परा पर नुक्कड़ नाटक
- निबंध लेखक
- एनईपी हेल्प डेस्क
- संवादात्मक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- एनईपी 2020 जागरूकता रैली
- पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

VIKAS-2025 में म0वि0वि0 का प्रतिनिधित्व करते शिक्षकगण

IQAC

NAAC की तैयारी हेतु कार्यशाला का आयोजन

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), मगध विश्वविद्यालय

मगध विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली है जिसे राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा अनुशंसित किया गया है। इसे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने और बनाए रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह मान्यता प्राप्त है कि गुणवत्ता संवर्धन एक निरंतर प्रक्रिया है और इसी को ध्यान में रखते हुए IQAC वर्षों से लगातार कार्यरत है ताकि विश्वविद्यालय की प्रत्यायन स्थिति में सुधार लाया जा सके।

वर्तमान में मगध विश्वविद्यालय की IQAC टीम माननीय कुलपति प्रो० एस.पी. शाही के समग्र पर्यवेक्षण में तथा प्रो० मुकेश कुमार, अध्यक्ष, इतिहास विभाग (IQAC समन्वयक, मगध विश्वविद्यालय) के समन्वयन में निष्ठापूर्वक कार्य कर रही है। गत वर्ष अक्टूबर माह में विश्वविद्यालय के 2016–17 से 2023–24 तक के आठ वर्षों के एक्यूएआर (AQAR) NAAC की वेबसाईट पर अपलोड किए गए जो एक बेहतर नेतृत्व को दर्शाता है। इसके साथ ही गत तीन वर्ष में 300 से अधिक शैक्षणिक सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आदि का सफल आयोजन कर के मगध विश्वविद्यालय बिहार में नया कीर्तिमान रच रहा है।

शैक्षणिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ

ज्ञान–विमर्श ही शिक्षा का प्राण है। संवाद और विमर्श से ही विचारों में गहराई और समाज में प्रगति आती है। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक संगोष्ठियाँ आयोजित कर शोध और चिंतन की परंपरा को सशक्त किया। विभिन्न विभागों द्वारा माननीय कुलपति प्रो. एस.पी. शाही की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों में प्रमुख है–

शैक्षणिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ (वर्ष 2023)

राजनीति विज्ञान विभाग एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित **G-20** एवं विकसित भारत 2047 व्याख्यान श्रृंखला, बिहार समाज विज्ञान अकादमी और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, पटना के साथ आयोजित इन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि एवं वक्ता रहे माननीय मंत्री श्री अशोक चौधरी, श्री के. क्राउले, दक्षिण अफ्रीकी उच्चायोग में उप उच्चायुक्त एवं अन्य।

Current Trends in Research for Developing New India
विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

तृतीय समाज विज्ञान कांग्रेस जिसका विषय था वृद्धि, विषमता और न्याय

श्री सेड्रिक चार्ल्स क्रॉली, उप उच्चायुक्त, दक्षिण अफ्रीका द्वारा व्याख्यान

बाबू जगजीवन राम के सामाजिक–राजनितिक दर्शन पर व्याख्यान

प्रो0 अमिताभ आचार्या, अमेरिकन विश्वविद्यालय द्वारा
G20 व्याख्यान श्रृंखला में उद्बोधन

भूगोल विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

रिसर्च एथिक्स और प्रोजेक्ट राइटिंग पर पाँच दिवसीय कार्यशाला –
श्री राजवर्धन आजाद (अध्यक्ष, **BSUSC**)

विभिन्न विभागों में आयोजित संगोष्ठियाँ

शैक्षणिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ (वर्ष 2024)

एंटी रैगिंग दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा शपथ ग्रहण

'मादक द्रव्य उपयोग विकार' पर जागरूकता रैली

एंटी रैगिंग पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता

डॉ० परम प्रकाश राय द्वारा व्याख्यान – 'Using Shodhganga to Identify Research Gap and Select a Research Problem'

भारतीय ज्ञान परम्परा पर आयोजित संगोष्ठी

मगध विश्वविद्यालय में आयोजित बिहार आर्थिक परिषद् के अधिवेशन में उपस्थित माननीय केन्द्रीय मंत्री, श्री नितिन गडकरी

अहिल्या बाई होल्कर 300वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, तत्कालीन कुलाधिपति, बिहार

आध्यात्मिक गुरू दलाई लामा से मिलकर कुलपति ने विश्व शांति की कामना की

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित कार्यक्रम

ई–लाईब्रेरी संसाधनों पर आयोजित व्याख्यान

इजरायल में भारत के कुलपतियों की अकादमिक यात्रा में सम्मिलित प्रो. एस.पी. शाही

मादक द्रव्यों के उपयोग के विकारों पर आयोजित संगोष्ठी

बिहार इतिहास परिषद् का एकादश अधिवेशन

पर्यावरण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन

MOOCs पर आयोजित FDP

शैक्षणिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ (वर्ष 2025 – 2026)

बिहार समाजशास्त्रीय परिषद् का द्वितीय सम्मेलन

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण

राष्ट्र निर्माण में मातृभाषा की भूमिका पर आयोजित संगोष्ठी

दिव्यांगता: अभिशाप नहीं एवं अंगदान के महत्व पर संगोष्ठी

मैपिंग दी स्पेक्ट्रम ऑफ रिसर्च मेथोडोलॉजी पर संगोष्ठी

बाबू जगजीवन राम पर आयोजित संगोष्ठी

लोकतंत्र, चुनाव और पार्टी राजनीति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय राजव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार

सेंटर फॉर लीगल स्टडी का उद्घाटन समारोह

रीसेंट अडवांसमेंट्स इन मैटेरियल्स रिसर्च एंड मॉडर्न फिजिक्स पर आयोजित सेमिनार

मगध–थाईलैण्ड के साझा संस्कृति पर ग्लोबल सेमिनार

बिहार के बौद्ध परिपथ पर आयोजित संगोष्ठी

लोकतंत्र, चुनाव एवं दलगत राजनीति पर संगोष्ठी

मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा का अनावरण

मगही महोत्सव

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के वैदेशिक मामलों के सलाहकार
प्रो. शेषाद्रि चारी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पर व्याख्यान

मगध साम्राज्य और बौद्ध धर्म पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भाषा, पारिस्थितिकी एवं साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित संगोष्ठी

परमाणु प्रौद्योगिकी की भूमिका पर आयोजित सेमिनार

मगध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद् का आठवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन–2026

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – भारतीय ज्ञान परम्परा

शंकराचार्य मठ, बोधगया के स्वामी विवेकानंद गिरी जी से
विमर्श करने पंहुचे प्रो. एस.पी. शाही एवं शिक्षकगण

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्मरणीय दिवस

हिन्दी दिवस समारोह

शिक्षक दिवस समारोह

युवा दिवस समारोह

दिनकर जयंती समारोह

बाबू जगजीवन राम जयंती

अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्मरणीय दिवस केवल तिथियाँ नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों, ऐतिहासिक गौरव और मानवीय संवेदना से जुड़ने का अवसर हैं। विश्वविद्यालय ने इन्हें मनाकर विद्यार्थियों में सामाजिक जागरुकता, नैतिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय चेतना को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

सर सी.वी. रमन दिवस

स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम

मिलेट्स (मोटे अनाज) के महत्व पर कार्यक्रम

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह

विश्व स्वास्थ्य दिवस

विश्व स्तनपान सप्ताह

विश्व कैंसर दिवस

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस

लैंगिक समानता और सशक्तीकरण

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

'Wall of Women (WOW)' का निर्माण

स्त्री छवि और सुंदरता के प्रतिमान पर विशिष्ट व्याख्यान

स्थापना दिवस

62 वें स्थापना दिवस (1 मार्च 2023) के अवसर पर विश्व विख्यात समाजसेवी पद्मश्री विमल जैन को सम्मानित करते हुए कुलपति महोदय

63 वें स्थापना दिवस (01 मार्च 2024) के अवसर पर उपसभापति राज्यसभा श्री हरिवंश जी ने मगध विश्वविद्यालय में **AI** केन्द्र के उद्घाटन हेतु प्रेरणा दी और अपने **MP LAD** निधि से सहयोग की घोषणा की

64वाँ स्थापना दिवस समारोह (01 मार्च, 2025) में बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह
तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 संजीव कुमार सिंह, सदस्य, बिहार विधान परिषद्
विश्वविद्यालय परिसर हरियाली हेतु विधायक निधि से मदद की घोषणा की

संध्या
09.10.2025

राष्ट्रीय सेवा योजना

कुलपति प्रो. एस.पी. शाही का प्रेरणादायी नेतृत्व :
सृजन, संवेदना और सामाजिक दायित्व की दिशा में NSS

रक्तदान शिविर : मानवता की सेवा में योगदान

कुलपति प्रोफेसर शाही के नेतृत्व में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों छात्रों और शिक्षक समुदाय ने हिस्सा लिया। यह केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता का उत्सव था। रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है। जब युवा पीढ़ी यह उपहार देती है, तो समाज में आशा और करुणा दोनों का संचार होता है। इन शिविरों ने विद्यार्थियों में परोपकार और सहानुभूति की भावना को मजबूत किया।

हिन्दी भवन के प्रेमचन्द सभागार में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025

सीमावर्ती युवा आदान प्रदान कार्यक्रम (नेहरू युवा केन्द्र, गया के तत्वावधान में)
हिन्दी भवन में उत्तर–पूर्व, बंगाल आदि 5 राज्यों के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण)

BORDER AREA YOUTH EXCHANGE PROGRAM

कारगिल विजय दिवसः वीरता को नमन (28.07.2025)

गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियों में संलग्न एन.एस.एस. के स्वयंसेवक

स्वच्छता पखवाड़ा एवं श्रमदान (11–25 सितम्बर, 2025)

एन.एस.एस. की विभिन्न गतिविधियाँ

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
राष्ट्रीय सेवा योजना
संविधान
दिवस

मगध विश्वविद्यालय
बोध गया
विधान सभा आम निर्वाचन, 2025
वोट करेगा "गया" हमारा 11 नवंबर 2025
शिक्षा विभाग
'मतदाता जागरूकता अभियान'
जन-जन का यह नारा है, मतदान अधिकार हमारा है।
SERVICE SCHEME
बिहार विधान सभा आम निर्वाचन - 2025
राष्ट्रीय सेवा योजना
मतदाता जागरूकता अभियान
07 नवम्बर 2025 - साइकिल अभियान द्वारा जागरूकता
08 नवम्बर 2025 - ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता
मतदान की तिथि : 11 नवम्बर 2025
सुभारंभ
प्रो० शशि प्रताप शाही
स्थान : प्रशासनिक भवन मुख्य द्वार (07.11.2025, पूर्वाह्न 11:30 बजे)
मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

विशिष्ट पूर्व विद्यार्थी

श्री जीतन राम मांझी
पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार

डॉ. प्रेम कुमार
अध्यक्ष, बिहार विधान सभा

श्री गिरिराज सिंह
मंत्री, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

श्री राम कृपाल यादव
मंत्री, कृषि विभाग, बिहार

श्री अशोक चौधरी
मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार

श्री मंगल पाण्डेय
मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, बिहार

डॉ. सुरेन्द्र यादव
सांसद, लोक सभा, जहानाबाद

श्री एस.पी. शाही
कुलपति, मगध विश्वविद्यालय

श्री आर.के. सिंह
पूर्व सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री

श्री पंकज त्रिपाठी
अभिनेता

एम.एस. फारूकी, लिलीपुट
अभिनेता

डॉ. प्रणव प्रकाश
चित्रकार

श्री बिनोद कुमार रॉय
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय

डॉ. धम्मानंद भिक्खुनी
बौद्ध भिक्खुनी

डॉ. अबुल कलाम क़ासमी शम्सी
लेखक एवं शिक्षाविद्

श्रीमती विनोदनी टेरवे
लेखक एवं शिक्षाविद्

समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार ग्रहण करते हुए मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्वयंसेवक

धर्मेन्द्र कुमार
गया कॉलेज, गया
(मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
19.11.2014

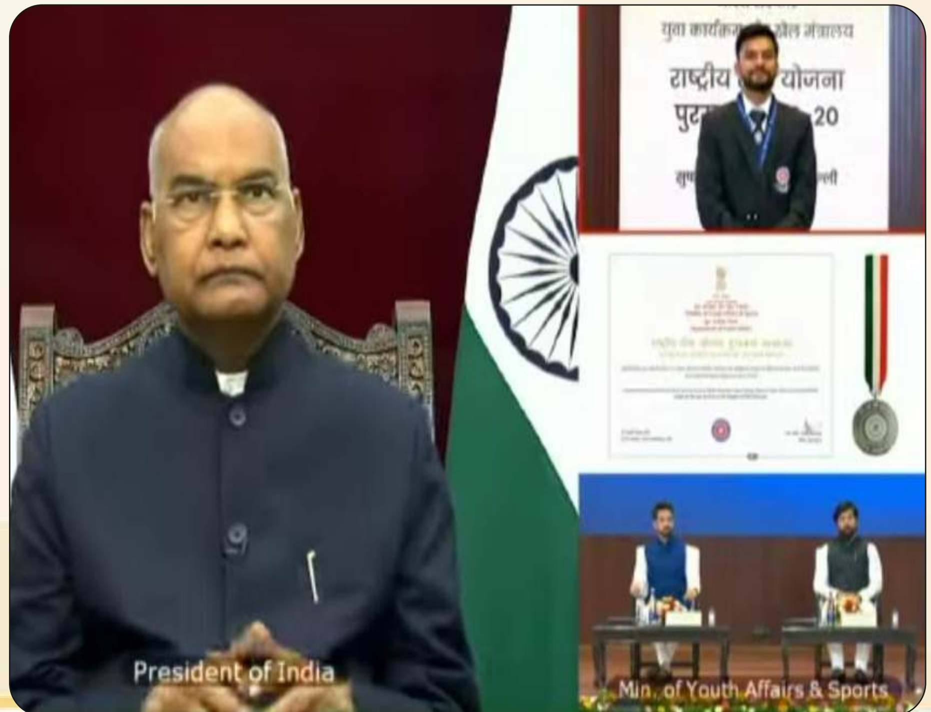

स्व0 विशाल राज
गया कॉलेज, गया
(मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)

शैलेन्द्र कुमार
भूगोल विभाग
(मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
24.09.2022

मैक्स कुमार
जे.जे. कॉलेज
(मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
28.09.2023

संस्कार सृजन

संस्कृति, साहित्य और रचनात्मकता का समन्वित मंच

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और रचनात्मक दृष्टि का सजीव रूप है 'संस्कार सृजन'। यह केवल एक आयोजन समिति नहीं, बल्कि एक ऐसा सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक मंच है जो कला, संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्य और दृश्य कलाओं को जोड़ते हुए मानवीय अभिव्यक्ति का उत्सव मनाता है। इसकी स्थापना माननीय कुलपति प्रो० (डॉ०) शशि प्रताप शाही जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से हुई। उनकी दूरदर्शी दृष्टि और नेतृत्व ने इस पहल को विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बना दिया है।

संस्कार सृजन का ध्येय वाक्य 'संस्कारो हि गुणान्तराधनमुच्यते' (चरक संहिता) है, जिसका अभिप्राय है कि संस्कार व्यक्ति को दुर्गुणों से मुक्त कर सद्गुणों से सम्पन्न बनाते हैं। इस मंच का मूल उद्देश्य है विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं में सद्गुणों का विकास करना और रचनात्मकता के माध्यम से जीवन मूल्यों का संवर्धन करना।

"संस्कार सृजन"
मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
Dr. B.K. Manglam
Registrar

डॉ. कविता कुमारी
डॉ. ममता मेहरा
समिति सदस्य :-

समिति सदस्य :-

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का मगध विश्वविद्यालय में प्रवेश

अंतराष्ट्रीय छात्र संकुल

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की अपनी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत बौद्ध अध्ययन विभाग, पालि एवं प्राकृत विभाग तथा दर्शनशास्त्र विभाग ऐसे प्रमुख विभाग हैं जहाँ म्यांमार, वियतनाम, थाईलैंड आदि देशों के विद्यार्थी नियमित रुप से नामांकन लेकर अध्ययन करते हैं। इन विभागों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को स्नातकोत्तर तथा पी.एच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। इस प्रकार, विश्वविद्यालय न केवल भारतीय ज्ञान–परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दे रहा है, बल्कि एक विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय पहचान व संबंधित देशों के साथ सकारात्मक सांस्कृतिक सम्बन्ध को भी स्थापित करता है।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ

माननीय कुलपति प्रो० एस०पी० शाही, भारतीय दूतावास, सियोल, दक्षिण कोरिया में राजदूत श्री अमित कुमार के साथ।

माननीय कुलपति प्रो० एस०पी० शाही
मगध विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ

गौरवपूर्ण उपलब्धि

28वें विश्व राजनीति विज्ञान सम्मेलन, सियोल, दक्षिण कोरिया में मगध विश्वविद्यालय की सहभागिता – (12 से 16 जुलाई 2025)

कुलपति प्रो० एस०पी० शाही तथा राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० अंजनी कुमार घोष, वरिष्ठ प्रोफेसर मो० एहतेशाम खान, डॉ० दिव्या मिश्रा, डॉ० शमशाद अंसारी, श्री अविनाश कुमार तथा लोक प्रशासन के शोधार्थी श्री अविनाश कुमार सिंह ने अपने–अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। प्रो० खान को इंटरनेशनल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन **(IPSA World)** की आर.सी.–44 की कार्यकारी समिति **(Executive Board)** का सदस्य चुने जाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

डॉ० प्रियम शर्मा, सोशियोलॉजी कॉन्फ्रेंस 2025 में शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए।

डॉ० विनीता कुमारी, ओमान में **2nd International Conference (ICBFB-2023)** में शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

2024 GNRICH इंटरनेशनल कांफ्रेंस (4–6 नवम्बर, 2024), गियान्जू, दक्षिण कोरिया में भाग लेते हुए शंकर शर्मा, सहायक आचार्य, **AI&AS** विभाग

डार्विन, ऑस्ट्रेलिया में **10th World Archaeological Congress (22-28 June, 2025)** की सभा परिषद् के सदस्यों के साथ शंकर शर्मा, सहायक आचार्य, **AI&AS** विभाग

डॉ० मुस्सर्रत जहाँ, को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) में 3–4 अप्रैल 2023 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शिक्षा–गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम (आउटरीच प्रोग्राम)

सामुदायिक जागरूकता और आउटरीच पहल

कुलपति प्रो. एस. पी. शाही का नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता

प्रो० शाही का दृष्टिकोण शिक्षा और समाज सेवा के बीच संतुलन स्थापित करना रहा है। इसी दृष्टिकोण के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने 'आउटरीच कार्यक्रमों' के माध्यम से सामाजिक स्वास्थ्य और पोषण संवर्धन की दिशा में अनेक पहल की हैं।

इस दृष्टिकोण को व्यवहार में उतारते हुए विभिन्न सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें किशोरियों, माताओं, नवजात शिशुओं, बच्चों और समुदाय के विभिन्न वर्गो को शामिल किया गया।

Myths
'Growing Up'

संग्रहालय

विभागीय पुरातत्त्व संग्रहालय

प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए गर्व की बात होती है जहाँ विषय से संबंधित संग्रहालय हो। देश में गिने–चुने संस्थाएं ही हैं जिसका अपना पुरातत्त्व संग्रहालय है तथा प्राचीन कला, पुरातत्त्व एवं संस्कृति का अध्ययन एवं अध्यापन हो रहा हो। मगध विश्वविद्यालय इस श्रेणी में शामिल है जिसका प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग में अपना पुरातत्त्व संग्रहालय है। यह संग्रहालय संबंधित विद्या में अध्ययन–अध्यापन के लिए एक उपियोगिता मूलक संगठन है जो विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लिए प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर रहा है।

प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग के पुरातत्त्व संग्रहालय में प्राचीन मगध क्षेत्र की विभिन्न सांस्कृतिक पहचानों की प्राचीन कला वस्तुओं और प्रतिकृतियों का जीवंत संग्रह है। इन्हें 1960 से 1980 के दशकों के दौरान विभिन्न पुरातात्त्विक अन्वेषणों के माध्यम से विद्वान प्राध्यापकों और विभाग के कुछ पूर्व छात्रों द्वारा एकत्रित और अर्जित किया गया है। विभाग में विशिष्ट आगंतुकों द्वारा दान किए गए विभिन्न राज्यों और अधिराज्यों के सिक्कों की अच्छी संख्या भी मौजूद है, जिनमें विशेष रूप से नेपाल, भूटान, म्यांमार, मलाया, थाईलैंड, अरब, जापान, बहरीन, तिब्बत जैसे एशियाई देशों और तुर्की तथा इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों के सिक्के शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रागैतिहासिक और प्रारंभिक ऐतिहासिक कालीन पुरावस्तुएँ, प्राचीन मूर्तियाँ, टेराकोटा और विविध कलावस्तुओं का दुर्लभ संग्रह है।

ये संग्रह आगंतुकों, विशेषकर पुरातत्व, कला और संस्कृति के छात्रों को हमारी गौरवशाली संस्कृतियों के बारे में एक सच्ची अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। समाज के हित में इन मूल्यवान संग्रहों को प्रदर्शित करना विभाग के लिए महत्वपूर्ण और गौरव की बात है।

पुरातत्त्व संग्रहालय, प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग

पुरातत्त्व संग्रहालय में प्रदर्श्य पुरावस्तुओं का दृश्य

प्राचीन मृद्भांड के टुकड़े

पाषाण कालीन औजार

धरोहर, कला और संस्कृति

प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा विभिन्न अवसरों पर आयोजित किये गये फोटो प्रदर्शनी, शैक्षणिक भ्रमण एवं विरासत जागरूकता रैली

प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा 19–25 नवम्बर 2024 को धरोहर एवं अपने स्मारकों के प्रति सांस्कृतिक जन–जागरुकता का विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें धरोहर से संबंधित विशेष व्याख्यान, चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण, निबंध एवं सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के छात्र–छात्राओं की भागीदारी रही। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, कर्मचारियों सहित छात्र–छात्राओं की भागीदारी से एक धरोहर यात्रा निकाली गई तथा इस अवसर पर लोगों ने धरोहर एवं विरासत को संरक्षित करने की प्रेरणा एवं शपथ ली। इस अवसर पर **"Bodhgaya Revealing the Past"** विषय पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो० शशि प्रताप शाही, मगध विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

12 दिसम्बर 2024 को राजभवन, पटना, बिहार द्वारा आयोजित पुण्य लोक देवी अहिल्या बाई होलकर के त्रिशताब्दी जयंती समारोह के मुख्य सहयोगी भूमिका में मगध विश्वविद्यालय था। इसमें प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा कई कार्यक्रम संचालित किए गए जिसमें अहिल्याबाई होलकर के कृतित्व व उनके विभिन्न कल्याणकारी कार्यों को विषय बनाकर एक विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर द्वारा किया गया था।

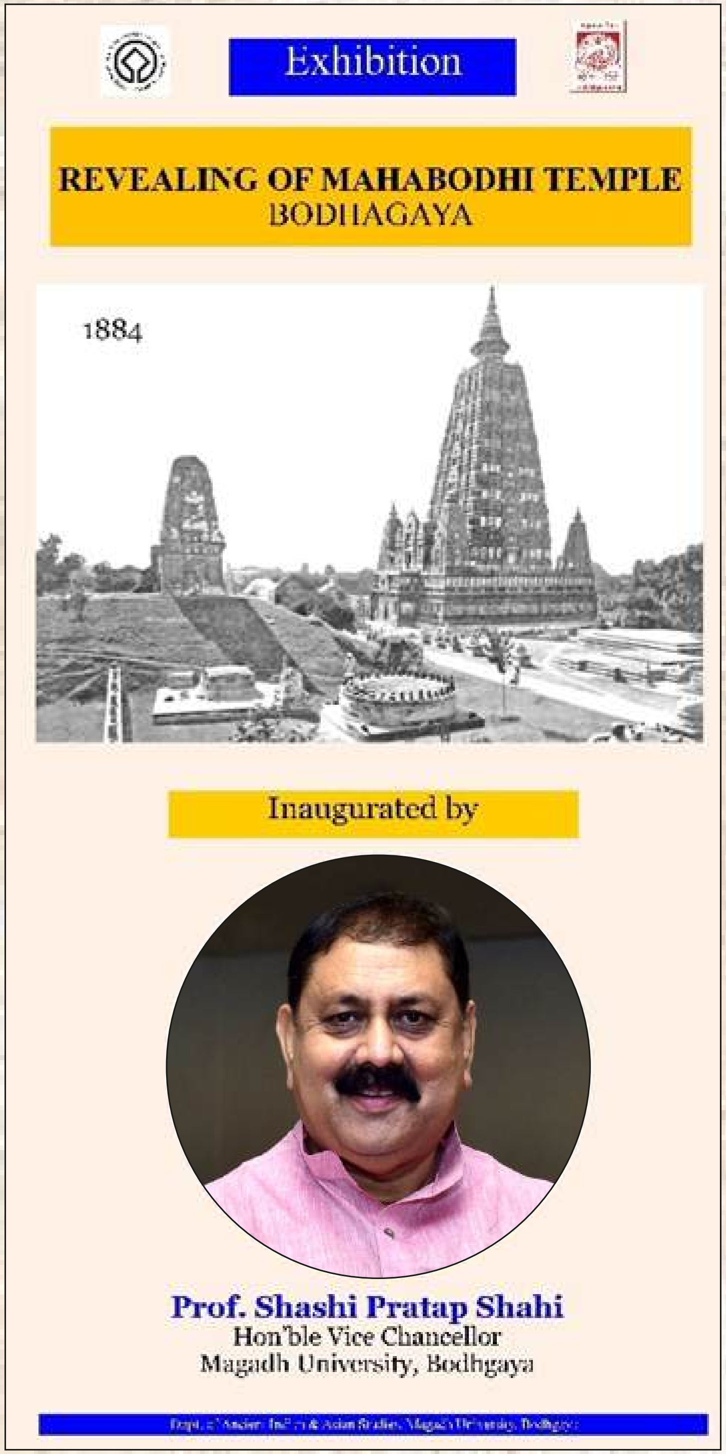

यूनेस्को की सूची में शामिल भारत के विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक सम्पदाओं पर विशेष व्याख्यान

"Bodhgaya Revealing the Past" विषय पर प्रदर्शनी

अहिल्याबाई होलकर के कृतित्व पर आयोजित प्रदर्शनी का दृश्य

अहिल्याबाई होलकर के कृतित्व पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर

अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ० माला ठाकुर

बोधगया स्थित आधुनिक बौद्ध विहार का दृश्य

12 जनवरी 2025 को प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन के दृष्टिगत विभिन्न पुरातात्त्विक स्थलों का सर्वेक्षण एवं भ्रमण किया गया है। जिसमें गया जिले के पुरातात्त्विक स्थल दुब्बा का सर्वेक्षण कर पुरातात्त्विक रिपोर्ट तैयार किया गया तथा इसके पुरातात्त्विक महत्त्व को समझते हुए अध्ययनरत शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को पुरातात्त्विक उत्खनन के प्रशिक्षण के दृष्टिगत भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली को उत्खनन के अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन भेजा गया है।

भूमिस्पर्श मुद्रा में बुद्ध, बोधगया संग्रहालय

‘एक पौधा केवल हरियाली नहीं लाता, वह जीवन और आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा का संदेश देता है।’

– प्रो. एस.पी. शाही

ग्रीन इनिशियेटिव (हरित गतिविधियाँ)

मगध विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग पर्यावरण जागरूकता, संरक्षण और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए सक्रिय रूप से हरित गतिविधियों में संलग्न हैं। इन पहलों में वृक्षारोपण अभियान और अपशिष्ट प्रबंधन एवं जैव विविधता जैसे विषयों पर कार्यशालाएं और सेमिनार शामिल हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक हरित और स्वच्छ परिसर बनाना है जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण की नींव रखे।

वृक्षारोपण अभियान

कई विभागों ने छात्रों और शिक्षकों की भागीदारी के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जो विश्वविद्यालय परिसर को हरा–भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

गृह विज्ञान विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम

जूलॉजी विभाग की अनूठी पहल : प्लास्टिक मुक्त परिसर का सपना

केंचुआ खाद निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिन्दी तथा मगही विभाग द्वारा एक वृक्ष माँ के नाम कार्यक्रम

संस्कृत विभाग द्वारा पर्यावरण दिवस कार्यक्रम

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा वृक्षा रोपण कार्यक्रम

मनोवैज्ञानिक परामर्श हेतु ‘सारथी’ प्रकोष्ठ

परामर्श केंद्र– ‘‘ सारथी ’’

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए माननीय कुलपति प्रो० शशि प्रताप शाही जी के मार्गदर्शन में ‘काउंसलिंग सेल’ की स्थापना की गई। इस सेल का दायित्व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक एवं सामाजिक सहायता प्रदान करना है। इस सेल की अध्यक्षता डॉ० मीनाक्षी, मनोविज्ञान विभाग द्वारा की जा रही है।

इसी काउंसलिंग सेल के अंतर्गत, दिनांक 8 जुलाई 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलपति महोदय के कर–कमलों द्वारा ‘काउंसलिंग सेंटर सारथी’ का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह केंद्र बिहार राज्य के विश्वविद्यालयों में संभवतः पहला औपचारिक काउंसलिंग सेंटर है, जो विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

उद्देश्य

‘सारथी’ केंद्र निम्नलिखित सेवाएँ उपलब्ध कराता है:

- मनोवैज्ञानिक परामर्श (Psychological Counselling)
- करियर परामर्श (Career Counselling)
- पारिवारिक परामर्श (Family Counselling)
- तनाव प्रबंधन (Stress Management)

‘मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह 2025’ का सफल आयोजन

'Access to Services – Mental Health in Catastrophes and Emergencies’

फिजियोथेरेपी विभाग में क्रियाशील OPD

नि:शुल्क चिकित्सा – फिजियोथेरेपी विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

'नि:शुल्क चिकित्सा' फिजियोथेरेपी विभाग, मगध विश्वविद्यालय द्वारा आरंभित जनसेवा की अनूठी पहल

उद्देश्य – 'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन यही है जीवन का सच्चा धन।

इस श्रेष्ठ प्रथा के मूल उद्देश्य हैं :

- समाज में स्वास्थ्य–जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना।
- आर्थिक रूप से वंचित (बी.पी.एल.) वर्ग को नि:शुल्क उपचार सुविधा प्रदान करना।
- बाह्य रोगियों को सुगम, सुलभ एवं किफायती फिजियोथेरेपी सेवाएँ उपलब्ध कराना।

'मगध विश्वविद्यालय का यह प्रयास शिक्षा और सेवा का संगम है जहाँ ज्ञान, करुणा और कर्तव्य एक साथ स्पंदित होते हैं'

GAIT

उपलब्धियों की गूँज

पेटेंट

प्रो. सिद्धनाथ प्रसाद यादव 'दीन', अध्यक्ष, विज्ञान संकाय, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

इंस्ट्रूमेंट यूज्ड फॉर डायबिटिक न्यूरोपैथी

डायबिटिक न्यूरोपैथी वर्तमान समय में तेजी से बढ़ता हुआ रोग है। यह रोग मधुमेह के धीरे–धीरे रोगी की नसों को प्रभावित करने लगता है। इस कारण शरीर की मांसपेशियाँ प्रभावित होती हैं, जिससे झुनझुनी, दर्द, सुन्नता हाथों, पैरों एवं पंजों में प्रदर्शित होते हैं।

मगध विश्वविद्यालय एवं ऑल इंडिया इंटीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस के वैज्ञानिकों ने साथ मिलकर मगध वि० वि० के जंतु शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ० सिद्धनाथ प्रसाद यादव दीन समेत गया कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० मोहम्मद रशीद नईम एवं शोधार्थी मोहमद दानिश मसरूर ने इस रोग के लक्षणों के आधार पर जाँच यंत्र विकसित करने का मार्ग प्रशस्त करने हेतु एक उपकरण डिजाइन विकसित किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार के बौद्धिक संपदा कार्यालय द्वारा अक्टूबर 2023 में प्रमाणित किया जा चुका है।

इस उपकरण के डिजाइन को सुलभ बनाने हेतु छोटा एवं आसानी से उपयोग करने के आधार पर डिजाइन किया गया है। डिजाइन में जाँच प्रदर्शित करने हेतु छोटे आकार का डिस्प्ले एवं ऑपरेटिंग बटन को डिजाइन में प्रस्तुत किया गया है।

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

ORIGINAL

क्रम सं/ Serial No. : 145808

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No.	:	393747-001
तारीख / Date	:	26/08/2023
पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date*	:	
देश / Country	:	

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो *INSTRUMENT USED FOR DETECTION OF DIABETIC NEUROPATHY* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 24-01 में 1.Miss. Shweta Jaiswar 2. Mr. Ranjit Raosaheb Raut 3.Dr. Vilas Ramkrushna Jiwatode 4.Prof. Dr. Ganesh Dadarao Suryawanshi 5.Mr. Mohammad Danish Masroor 6.Dr. Md. Rashid Nayeem 7.Prof. Dr. Sidh Nath Prasad Yadav 'Deen' के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 24-01 in respect of the application of such design to *INSTRUMENT USED FOR DETECTION OF DIABETIC NEUROPATHY*in the name of 1.Miss. Shweta Jaiswar 2. Mr. Ranjit Raosaheb Raut 3.Dr. Vilas Ramkrushna Jiwatode 4.Prof. Dr. Ganesh Dadarao Suryawanshi 5.Mr. Mohammad Danish Masroor 6.Dr. Md. Rashid Nayeem 7.Prof. Dr. Sidh Nath Prasad Yadav 'Deen'.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।
In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि / Date of Issue : 12/10/2023

महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।
The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

ORIGINAL

क्रम सं/ Serial No. : 189300

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No.	:	436073-001
तारीख / Date	:	29/10/2024
पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date*	:	
देश / Country	:	

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो*AI BASED INVASIVE ALIEN SPECIES DETECTION DEVICE* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 10-05 में 1.Mohammad Danish Masroor 2. Dr. Zakkia Masrror 3.Dr. Raj Kumar 4.Dr. Md. Rashid Nayeem 5.Dr. Sidh Nath Prasad Yadav Deen के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 10-05 in respect of the application of such design to *AI BASED INVASIVE ALIEN SPECIES DETECTION DEVICE*in the name of 1.Mohammad Danish Masroor 2. Dr. Zakkia Masrror 3.Dr. Raj Kumar 4.Dr. Md. Rashid Nayeem 5.Dr. Sidh Nath Prasad Yadav Deen.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।
In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि / Date of Issue : 07/01/2025

महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।
The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

डॉ. वंदना कुमारी, सहायक प्राध्यापक, श्रम एवं सामाज कल्याण विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

AI बेस्ड इनवेसिव एलियन इंसेक्ट डिटेक्शन डिवाइस

वर्तमान में कृषि एवं उद्यानिकी आधारित फसलों पर देसी कीटों के साथ साथ विदेशी आक्रामक प्रजातियों के कीटों का प्रकोप लगातार बिहार में बढ़ता जा रहा है। हाल ही में बिहार में कई विदेशी आक्रामक कीटों की खोज मगध विश्वविद्यालय के जंतु शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ० सिद्धनाथ प्रसाद यादव दीन के पर्यवेक्षण में शोध कर रहे शोधार्थी मोहमद दानिश मसरूर द्वारा किया गया है। लगभग दस प्रजातियों के विदेशी आक्रामक प्रजातियों के कीटों का फसलों पर प्रभाव और नए फसलों के उनके द्वारा भोज्य बनाने की खोज भी की गई है।

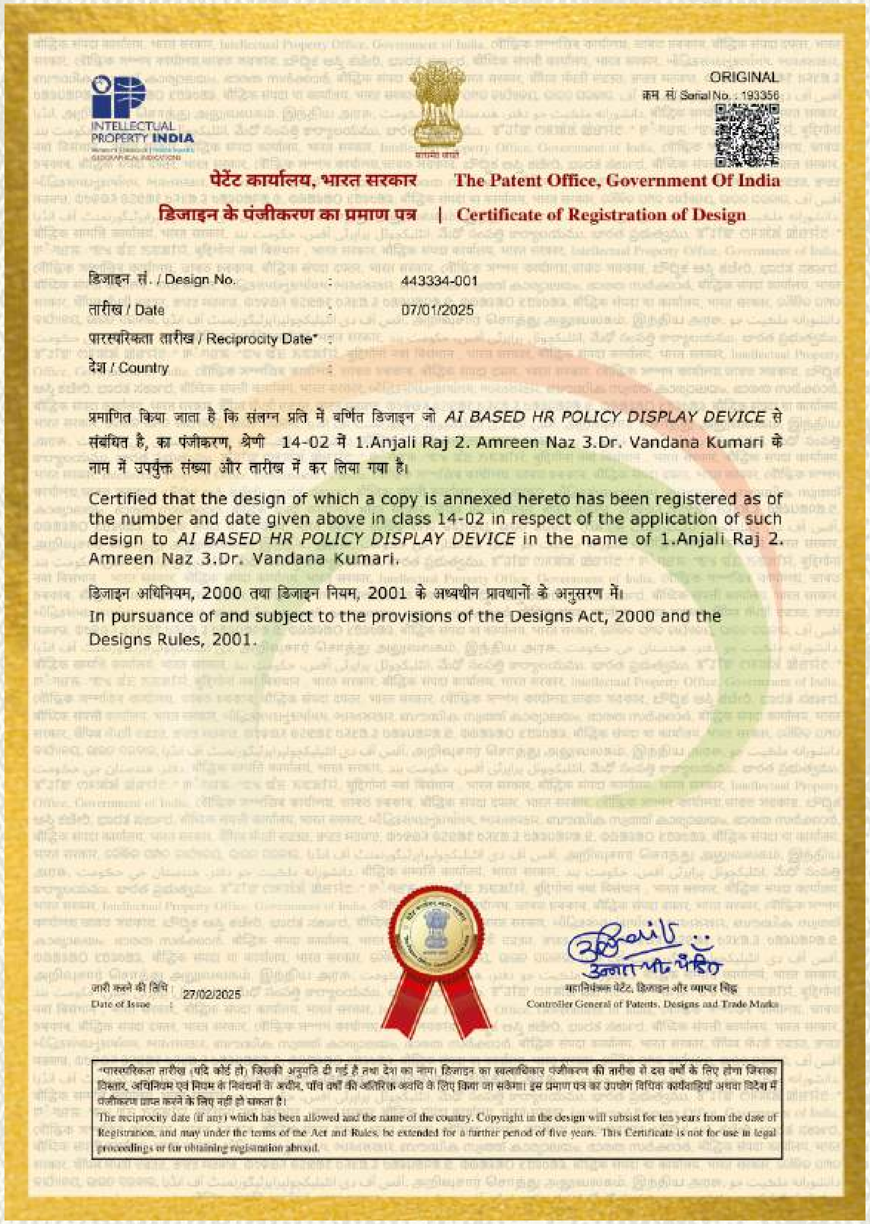

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

ORIGINAL

क्रम सं/ Serial No. : 193356

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No. : 443334-001

तारीख / Date : 07/01/2025

पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date* :

देश / Country :

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो *AI BASED HR POLICY DISPLAY DEVICE* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 14-02 में 1.Anjali Raj 2. Amreen Naz 3.Dr. Vandana Kumari के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 14-02 in respect of the application of such design to *AI BASED HR POLICY DISPLAY DEVICE* in the name of 1.Anjali Raj 2. Amreen Naz 3.Dr. Vandana Kumari.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।

In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि / Date of Issue : 27/02/2025

उन्नत पं. पंडित

महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न

Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पांच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।

The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

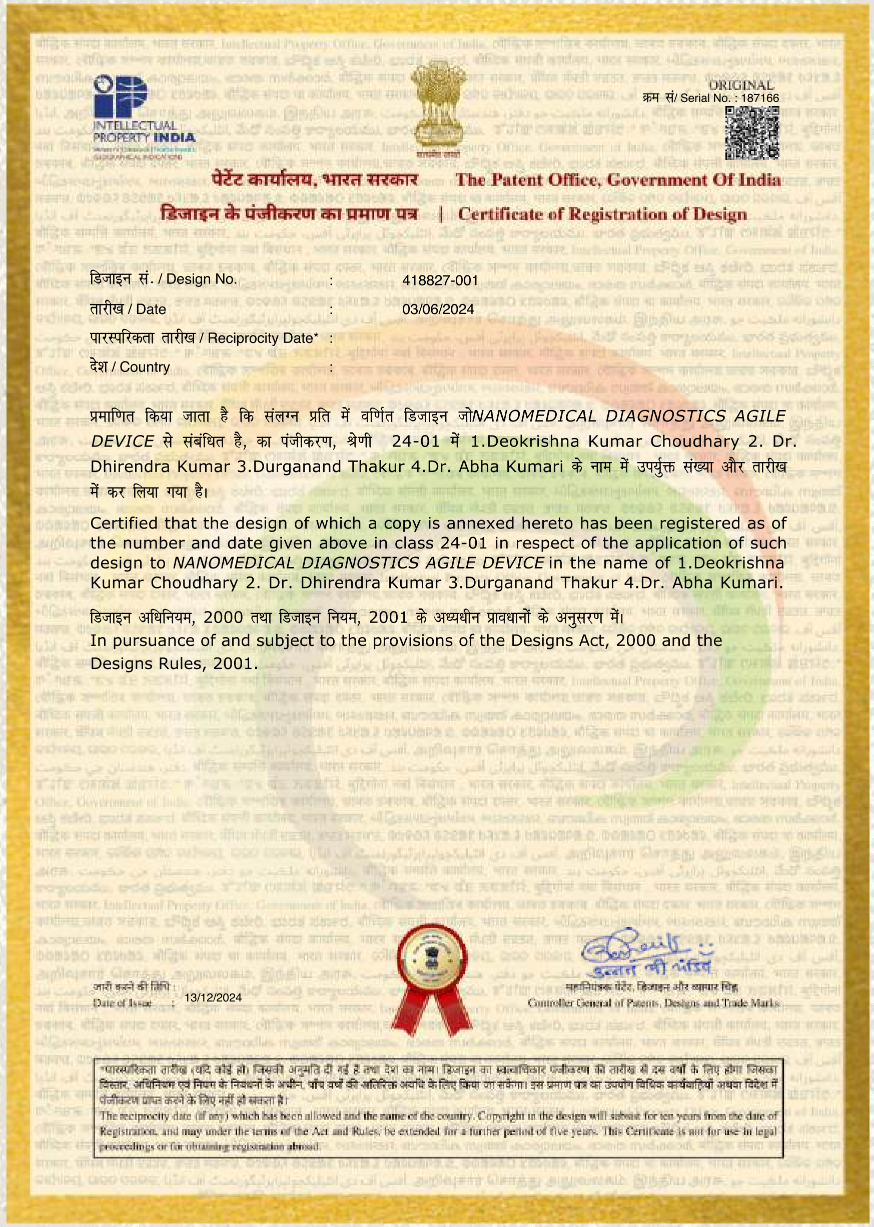

ORIGINAL
क्रम सं/ Serial No. : 187166

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार | The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No.	:	418827-001
तारीख / Date	:	03/06/2024
पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date*	:	
देश / Country	:	

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो*NANOMEDICAL DIAGNOSTICS AGILE DEVICE* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 24-01 में 1.Deokrishna Kumar Choudhary 2. Dr. Dhirendra Kumar 3.Durganand Thakur 4.Dr. Abha Kumari के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 24-01 in respect of the application of such design to *NANOMEDICAL DIAGNOSTICS AGILE DEVICE* in the name of 1.Deokrishna Kumar Choudhary 2. Dr. Dhirendra Kumar 3.Durganand Thakur 4.Dr. Abha Kumari.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।
In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि :
Date of Issue : 13/12/2024

महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।
The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

डॉ. आभा कुमारी, सहायक प्राध्यापक, जंतु विज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

"NANOMEDICAL DIAGNOSTICS AGILE DEVICE" भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा नामक अभिनव डिजाइन को आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया है। इस डिजाइन को डिजाइन संख्या 418827–001 के तहत 03 जून 2024 को प्रमाणित किया गया है। यह डिजाइन क्लास 24–01 में दर्ज किया गया है, जो चिकित्सा व वैज्ञानिक उपकरणों से संबंधित श्रेणी के अंतर्गत आता है।

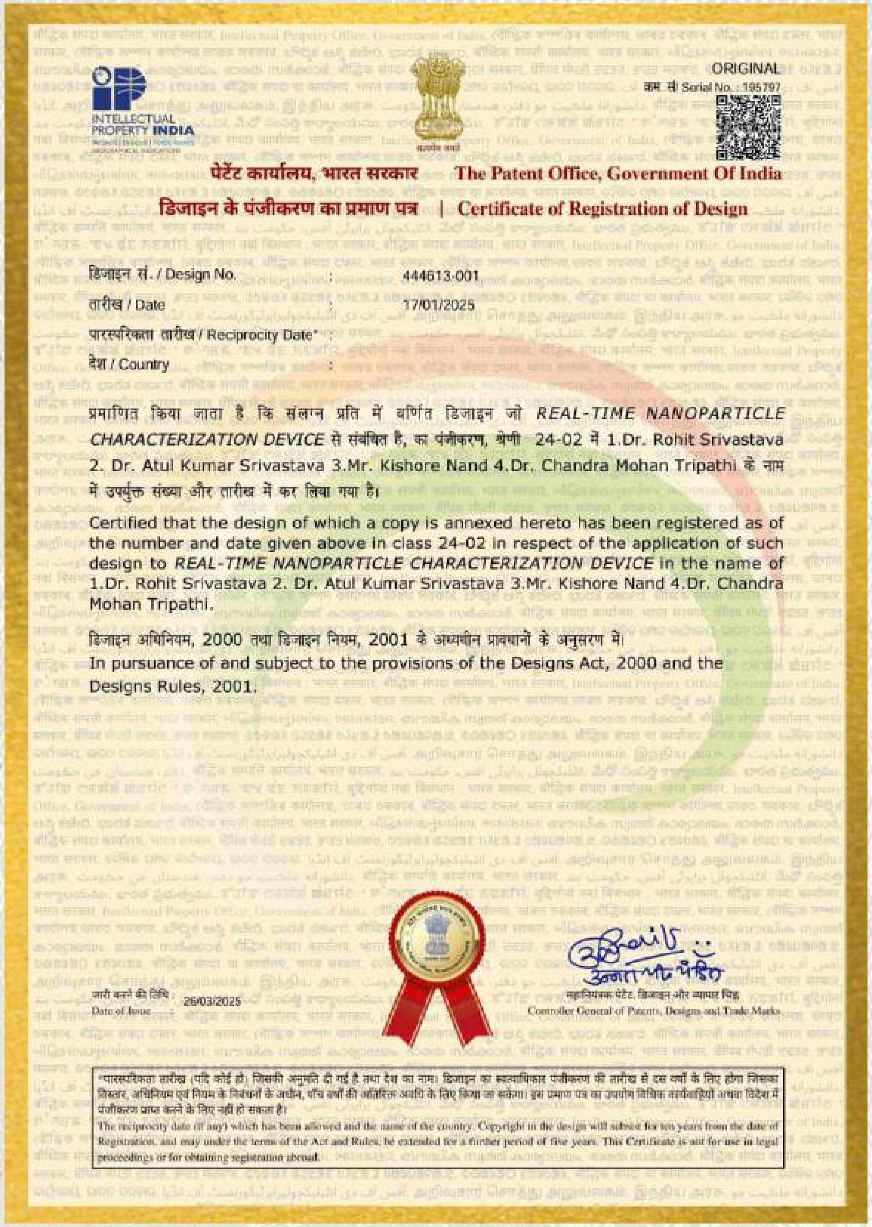

ORIGINAL

क्रम सं/ Serial No. : 195797

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार   The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिजाइन सं. / Design No. : 444613-001

तारीख / Date : 17/01/2025

पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date* :

देश / Country :

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो *REAL-TIME NANOPARTICLE CHARACTERIZATION DEVICE* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 24-02 में 1.Dr. Rohit Srivastava 2. Dr. Atul Kumar Srivastava 3.Mr. Kishore Nand 4.Dr. Chandra Mohan Tripathi के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 24-02 in respect of the application of such design to *REAL-TIME NANOPARTICLE CHARACTERIZATION DEVICE* in the name of 1.Dr. Rohit Srivastava 2. Dr. Atul Kumar Srivastava 3.Mr. Kishore Nand 4.Dr. Chandra Mohan Tripathi.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।
In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि / Date of Issue : 26/03/2025

महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिजाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।
The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

डॉ0 अतुल कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

Real-Time Nanoparticle Characterization Device :

भारतीय विज्ञान जगत में नवाचार का नया अध्याय जुड़ा है। **'Real-Time Nanoparticle Characterization Device'** का डिज़ाइन भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय मेंडिज़ाइन संख्या 444613–001 के रूप में 17 जनवरी 2025 को पंजीकृत और 26 मार्च 2025 को प्रमाणित हुआ। यह उपलब्धि डॉ० रोहित श्रीवास्तव, डॉ० अतुल कुमार श्रीवास्तव, श्री किशोर नंद और डॉ० चंद्र मोहन त्रिपाठी के सतत शोध और रचनात्मकता का परिणाम है। यह प्रमाणपत्र केवल कानूनी मान्यता ही नहीं, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक उत्कृष्टता और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक भी है।

ORIGINAL
क्रम सं Serial No. : 174354

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार | The Patent Office, Government Of India

डिजाइन के पंजीकरण का प्रमाण पत्र | Certificate of Registration of Design

डिज़ाइन सं. / Design No. : 417086-001

तारीख / Date : 16/05/2024

पारस्परिकता तारीख / Reciprocity Date* :

देश / Country :

प्रमाणित किया जाता है कि संलग्न प्रति में वर्णित डिजाइन जो *OXADIAZOLE SYNTHESIS CONTROLLING DEVICE* से संबंधित है, का पंजीकरण, श्रेणी 24-01 में 1.Dr. Atul Kumar Srivastava 2. Dr. Balmukund Tiwari 3.Mr. Shiv Shankar Sharma 4.Mr. Ashwini Kumar के नाम में उपर्युक्त संख्या और तारीख में कर लिया गया है।

Certified that the design of which a copy is annexed hereto has been registered as of the number and date given above in class 24-01 in respect of the application of such design to *OXADIAZOLE SYNTHESIS CONTROLLING DEVICE* in the name of 1.Dr. Atul Kumar Srivastava 2. Dr. Balmukund Tiwari 3.Mr. Shiv Shankar Sharma 4.Mr. Ashwini Kumar.

डिजाइन अधिनियम, 2000 तथा डिजाइन नियम, 2001 के अध्यधीन प्रावधानों के अनुसरण में।
In pursuance of and subject to the provisions of the Designs Act, 2000 and the Designs Rules, 2001.

जारी करने की तिथि :
Date of Issue : 04/07/2024

महानियंत्रक पेटेंट, डिज़ाइन और व्यापार चिह्न
Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

*पारस्परिकता तारीख (यदि कोई हो) जिसकी अनुमति दी गई है तथा देश का नाम। डिज़ाइन का स्वत्वाधिकार पंजीकरण की तारीख से दस वर्षों के लिए होगा जिसका विस्तार, अधिनियम एवं नियम के निबंधनों के अधीन, पाँच वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए किया जा सकेगा। इस प्रमाण पत्र का उपयोग विधिक कार्यवाहियों अथवा विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के लिए नहीं हो सकता है।
The reciprocity date (if any) which has been allowed and the name of the country. Copyright in the design will subsist for ten years from the date of Registration, and may under the terms of the Act and Rules, be extended for a further period of five years. This Certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

डॉ0 अतुल कुमार श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

Oxadiazole Synthesis Controlling Device

'Oxadiazole Synthesis Controlling Device' का डिज़ाइन भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय में डिज़ाइन संख्या 417086–001 के रूप में 16 मई 2024 को स्वीकृत तथा 04 जुलाई 2024 को प्रमाणित किया गया। यह उपलब्धि डॉ० अतुल कुमार श्रीवास्तव, डॉ० बालमुकुंद तिवारी, श्री शिव शंकर शर्मा और श्री अश्विनी कुमार द्वारा हासिल की गई। यह उपकरण ऑक्साडायाज़ोल संश्लेषण की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में उपयोगी है, जिसका महत्व दवा निर्माण, कार्बनिक रसायन और नैनो–प्रौद्योगिकी में है। औद्योगिक स्तर पर यह उत्पादन को अधिक प्रभावी व सुरक्षित बनाता है, जबकि शैक्षणिक दृष्टि से यह भारतीय शोधकर्ताओं के वैश्विक योगदान को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत के नवाचार और शोध क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करती है।

आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स विभाग का गठन

मगध विश्वविद्यालय बिहार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा में अग्रणी भूमिका निभाएगा

बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा, बी.एससी. और एम.एससी. सहित व्यापक शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू करके इतिहास रचने के लिए तैयार है। ये दूरदर्शी पाठ्यक्रम तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य के अनुरूप हैं और विश्वविद्यालय को बिहार में AI शिक्षा में अग्रणी रूप में स्थापित करेंगे। यह अभूतपूर्व पहल मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. एस.पी. शाही की प्रेरणा से ही सम्भव हुई है।

कुलपति ने आईआईटी पटना को मगध विश्वविद्यालय में AI पाठ्यक्रम स्थापित करने के लिए 30 संकाय सदस्यों को नवंबर 2024 में आईआईटी पटना में एक गहन AI प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने के लिए भेजा।

यह समावेशी दृष्टिकोण माननीय कुलपति के विजन को दर्शाता है, जो दृढ़ता से मानते हैं कि किसी भी संकाय सदस्य को उभरती प्रौद्योगिकियों तक पहुंच से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। AI पाठ्यक्रम वर्तमान में राजभवन, पटना से अनुमोदित हो चुका है। ये पाठ्यक्रम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में शुरू किए जाएँगे, जिसके लिए राज्यसभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश जी ने अपनी सांसद–स्थानीय विकास निधि से 20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

एस.एन. सिन्हा एआई केन्द्र

एस.एन. सिन्हा एआई केन्द्र के उद्घाटन पर महामहिम राज्यपाल एवं माननीय कुलपति महोदय

खेल गतिविधियाँ

चांसलर ट्रॉफी-2024
(कबड्डी प्रतियोगिता)

SAI
खेल प्रतिभाओं का सत्कार,
खेल की नई रफ़्तार
5000+ ATHLETES
23 SPORTS
7 CITIES
13 VENUES
12 DAYS
KHELO INDIA
UNIVERSITY GAMES
MGU 95 KG
KHUSHBOO
0:25

IWLF
NORTH EAST ZONE INTER UNIVERSITY WEIGHT LIFTING
CHAMPIONSHIP (MEN & WOMEN) FOR THE SESSION 2025-26
26 to 30 December 2025
Directorate of Sports

हिन्दुस्त

एमयू: खेलो इंडिया विवि गेम्स में खुशबू कुमारी ने जीता स्वर्ण

बोधगया, निज प्रतिनिधि। मगध विश्वविद्यालय की प्रतिभाशाली वेटलिफ्टर खुशबू कुमारी ने खेलो इंडिया विश्वविद्यालय गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। राजस्थान के महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में खुशबू ने कुल 180 किलोग्राम वजन उठाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वह 77 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं।

खेलकूद प्रभारी डॉ. सुदर्शन राम के अनुसार खुशबू कुमारी एस.एन.एस. कॉलेज, जहानाबाद की छात्रा है और इस वर्ष वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में मगध विश्वविद्यालय की ओर से अकेली प्रतिभागी थीं। शानदार प्रदर्शन के साथ खुशबू ने साबित किया कि मेहनत, लगन और सही प्रशिक्षण से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

खुशबू की इस उपलब्धि पर स्पोर्ट्स डायरेक्टर प्रो. ब्रजेश कुमार राय, राजकुमार, डॉ. के.के. मिश्र, सुरेंद्र प्रसाद यादव सहित कई शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने बधाई दी। सभी ने कहा कि खुशबू ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। छात्रा की सफलता से साथी खिलाड़ियों में भी बेहतर करने की प्रेरणा बढ़ी है। वहीं, विश्वविद्यालय ने खेलको बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है।

मेडल के साथ खुशबू कुमारी।

- 180 किलो वजन उठाकर 77 किलोग्राम वर्ग में किया गोल्ड मेडल अपने नाम
- एसएनएस कॉलेज जहानाबाद की छात्रा और प्रतियोगिता में विवि की एकमात्र प्रतिभागी

मगध विश्वविद्यालय की छात्रा खुशबू कुमारी ने जीता स्वर्ण पदक

प्लेसमेंट सेल

'प्लेसमेंट सेल' मगध विश्वविद्यालय, बोधगया का एक समर्पित प्रकोष्ठ है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक जीवन से व्यावसायिक जीवन में सहज रूप से प्रवेश करने में सहायता प्रदान करना है। हमारा मिशन है विद्यार्थियों को ऐसे आवश्यक कौशल, ज्ञान और आत्मविश्वास से सशक्त बनाना, जिससे वे अपने सपनों की नौकरियाँ प्राप्त कर सकें और एक सफल एवं संतोषजनक करियर की दिशा में आगे बढ़ सकें।

प्लेसमेंट सेल, हमारे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और कॉरपोरेट जगत के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है, ताकि हमारे विद्यार्थी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार, दक्ष और उच्च रूप से रोजगार योग्य बन सकें। प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत चार कंपनियां आईं, जिसमें बन्धन बैंक, बजाज आलियांज जैसे कंपनियों ने विद्यार्थियों के योग्यता के अनुरूप कार्य करने का आधार प्रदान किया। सुव्यवस्थित प्रशिक्षण, रणनीतिक साझेदारियों और कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव्स के माध्यम से विश्वविद्यालय ने अब तक 7 से अधिक विद्यार्थियों को बन्धन बैंक ने सफलतापूर्वक प्लेस किया है। मगध विश्वविद्यालय ने सदैव इस प्रतिबद्धता को निभाया है।

माननीय कुलपति महोदय बजाज एलियांज के प्रतिनिधियों के साथ

MAGADH UNIVERSITY, BODH GAYA
PLACEMENT & CAREER OPPORTUNITIES DRIVE

22वाँ दीक्षांत समारोह 2025

बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय में 25 नवम्बर 2025 को 22वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह लगभग दस वर्षों के अंतराल के बाद अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीय आरिफ मोहम्मद खां, राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरिवंश नारायण सिंह, उपसभापति, राज्यसभा उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल. चोंग्थू की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही एवं प्रतिकुलपति प्रो. बी.आर.के. सिन्हा ने किया एवं कार्यक्रम का कुशल संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार मंगलम्, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पार्थ प्रतीम दास एवं जन–संपर्क पदाधिकारी डॉ. परम प्रकाश राय ने संयुक्त रूप से किया। दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, रजत पदक, प्रमाण–पत्र एवं उपाधि–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों एवं विषयों के 34 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जबकि 248 विद्यार्थियों को पी–एच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय एवं समाज के प्रति विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. अशोक कुमार चौधरी (राजनीति विज्ञान) को डी. लिट् एवं श्री अखिलेश कुमार (जंतु विज्ञान) को डी. लिट् (मानद) उपाधि से अलंकृत किया गया।

समग्र रूप से यह दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव होने के साथ–साथ मगध विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता, समृद्ध परंपरा और संस्थागत गौरव का सशक्त एवं प्रेरणादायी प्रतीक सिद्ध हुआ।

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

मगध विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह की सभी विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और विश्वविद्यालय प्रशासन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में सीखने, समझने और आगे बढ़ने की यात्रा का एक विशेष पड़ाव है। परिवार के निरंतर सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन से सम्पन्न औपचारिक शिक्षा के बाद, इस पड़ाव के आगे हमारे युवा साथी अपने नवाचारी विचारों और अर्जित अनुभवों के साथ अपने सपनों को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ते हुए आगे बढ़ते हैं।

किसी भी राष्ट्र के सामर्थ्य को उपयोग में लाने और उपलब्ध संसाधनों के साथ न्याय करने में युवा शक्ति की बड़ी भूमिका होती है। प्रतिभाशाली युवाओं को पर्याप्त अवसर और उनके हौसलों को खुला आसमान देने के लिए देश में भविष्योन्मुखी शिक्षा और कौशल विकास की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुझे प्रसन्नता है कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान करने में मगध विश्वविद्यालय समेत देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बदलते समय और नई संभावनाओं के अनुरूप देश की युवा पीढ़ी को स्वयं को ढालते देखना एक सुखद अनुभव है। कृषि, व्यापार, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, हर क्षेत्र में हमारे युवा अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि मगध विश्वविद्यालय से दीक्षा प्राप्त कर निकलने वाले विद्यार्थी अपने भविष्य के लक्ष्यों को राष्ट्रीय संकल्पों को साथ लेकर आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

एक बार फिर से मगध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह और इस अवसर पर स्मारिका के विमोचन की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा है कि यह संस्थान इसी तरह निरंतर ज्ञान, उत्कृष्टता और नवाचार के उच्चतम मानकों को स्थापित करता रहेगा।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
अग्रहायण 03, शक संवत् 1947
24 नवम्बर, 2025

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
22वाँ दीक्षांत समारोह, 2025
25 नवंबर, 2025 (मंगलवार) ॥ समय: 11:30 पूर्वाह्न
स्थान - चिकित्सा केंद्र परिसर, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

मगध विश्वविद्यालय,
22वाँ दीक्षांत समारोह
25 नवंबर, 2025 (मंगलवार) ॥ समय: 11:30
स्थान - चिकित्सा केंद्र परिसर, मगध विश्वविद्यालय,

22वाँ दीक्षांत समारोह, 2025
25 नवंबर, 2025 (मंगलवार) ॥ समय: 11:30 पूर्वाह्न

बोधगया
, 2025

सर्टिफिकेट कोर्स (अनुमोदित/संचालित)

1. क्षेत्रीय पुरातत्व और विरासत प्रबंधन (ए०आई० एवं ए०एस० विभाग)
2. कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (वनस्पति विज्ञान विभाग)
3. सुपरमॉलिक्युलर रसायन विज्ञान (रसायन विज्ञान विभाग)
4. अकार्बनिक प्रकाश (रसायन विज्ञान विभाग)
5. रासायनिक विश्लेषण और अनुसंधान के लिए उन्नत स्पेक्ट्रोस्कोपी (रसायन विज्ञानविभाग)
6. 'सतत वित्त और हरित निवेश' पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (वाणिज्य विभाग)
7. 'सतत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन' पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (वाणिज्य विभाग)
8. 'कॉर्पोरेट स्थिरता और उत्तरदायी व्यावसायिक व्यवहार, पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (वाणिज्य विभाग)
9. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में कंप्यूटर अनुप्रयोग का व्यावहारिक कृटिकोण (अर्थशास्त्र विभाग)
10. जनसांख्यिकी और आर्थिक विकास (अर्थशास्त्र विभाग)
11. अनुप्रयुक्त अर्थमिति (अर्थशास्त्र विभाग)
12. साहित्य और पर्यावरण (अंग्रेजी)
13. साहित्यिक सिद्धांत में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (अंग्रेजी)
14. शैक्षणिक उद्देश्य के लिए अंग्रेजी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (अंग्रेजी)
15. जनसंख्या अध्ययन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (भूगोल)
16. पर्यावरण भूगोल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (भूगोल)
17. आपदा प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (भूगोल)
18. पर्यटन भूगोल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (भूगोल)
19. सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली का अनुप्रयोग (भूगोल)
20. शांति और संघर्ष समाधान के लिए गांधीवादी कृटिकोण में प्रमाणपत्र (इतिहास)
21. भारत के संवैधानिक इतिहास में प्रमाणपत्र (इतिहास)
22. दलित अध्ययन में प्रमाणपत्र (इतिहास)
23. प्रवासन और भारतीय डायस्पोरा में प्रमाणपत्र (इतिहास)
24. बिहार में विरासत और पर्यटन में प्रमाणपत्र (सीएचटीबी) (इतिहास)
25. खाद्य संरक्षण और पाक कला (गृह विज्ञान)
26. आवश्यक पोषण और आहार विज्ञान (गृह विज्ञान)
27. कपड़ा शिल्प और वस्त्र डिजाइनिंग (गृह विज्ञान)
28. सिक्स सिग्मा नेतृत्व कार्यक्रम (एलएसडब्ल्यू)
29. प्रमाणित आपूर्ति श्रृंखला पेशेवर(एलएसडब्ल्यू)
30. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता (एलएसडब्ल्यू)
31. पाली और बौद्ध पर लघु अवधि पाठ्यक्रम (पाली और बौद्ध)
32. बोलचाल फ़ारसी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (फ़ारसी)
33. व्यावसायिक नैतिकता पर लघु अवधि पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)
34. चिकित्सा नैतिकता के मूल सिद्धांतों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

35. योग अध्ययन (दर्शनशास्त्र)
36. शांति और हिंसा पर लघु अवधि पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र)
37. हरित जीवन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमः सतत ऊर्जा अनिवार्यताएँ (भौतिकी)
38. बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, विद्युत उपकरण और घरों में उनके अनुप्रयोग (भौतिकी)
39. कंप्यूटर बेसिक और प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट कोर्स (भौतिकी)
40. नैनोटेक्नोलॉजी के मूल सिद्धांत और स्मार्ट नैनो सामग्रियों में उन्नति में सर्टिफिकेट कोर्स (भौतिकी)
41. स्थानीय शासन और पंचायती राज संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्स (राजनीति विज्ञान)
42. भारतीय ज्ञान प्रणाली (राजनीति विज्ञान)
43. कूटनीति, विकास और व्यवहार (राजनीति विज्ञान)
44. मानसिक स्वास्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स (मनोविज्ञान)
45. तनाव प्रबंधन तकनीकों में सर्टिफिकेट कोस (मनोविज्ञान)
46. मनोवैज्ञानिक परीक्षण में सर्टिफिकेट कोर्स (मनोविज्ञान)
47. सामाजिक उद्यमिता और आजीविका प्रबंधन पर सर्टिफिकेट कोर्स (आर.डी.एम.)
48. प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम : वैदिक साहित्य एवं वैदिक विज्ञान का परिचय (संस्कृत)
49. प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम : प्राचीन योगविद्या के मूल सिद्धांत (संस्कृत)
50. रामायण में शैक्षिक प्रबंधन और नेतृत्व गुणों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (संस्कृत)
51. त्रैमासिक संस्कृत भाषा का प्रमाणिक पाठ्यक्रम (संस्कृत)
52. महिला अधिकार एवं सशक्तिकरण (समाजशास्त्र)
53. सामुदायिक संगठन एवं सामाजिक कार्य (समाजशास्त्र)
54. सामाजिक कार्य के पारिस्थितिक आयाम पर सर्टिफिकेट कोर्स (समाजशास्त्र)
55. ग्रामीण विकास, योजना एवं प्रशासन (समाजशास्त्र)
56. सार्वजनिक नीति और सामाजिक परिवर्तन को समझना (समाजशास्त्र)
57. हिंदी अनुवाद दक्षता (उर्दू)
58. मानव मूल्य में प्रमाण पत्र और साहित्य (उर्दू)
59. उर्दू पत्रकारिता में प्रमाणपत्र (उर्दू)
60. उर्दू भाषा में प्रमाणपत्र (उर्दू)
61. साहित्य और मीडिया में लिंग (महिला अध्ययन)
62. लैंगिक न्याय और कार्यस्थल सुरक्षा (महिला अध्ययन)
63. मीडिया, लिंग और डिजिटल संस्कृति (महिला अध्ययन)
64. लिंग और कानून (महिला अध्ययन)
65. लिंग और समाज (महिला अध्ययन)
66. ड्रोसोफिला पालन और प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (प्राणि विज्ञान)
67. वर्मी कम्पोस्ट प्रौद्योगिकी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (प्राणि विज्ञान)
68. रेशम उत्पादन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (प्राणि विज्ञान)

सुनहरे भविष्य की ओर

हमारा कल
हमारी सोच

ज्ञान की भूमि से उत्कृष्टता की उड़ान

उत्कृष्टता की विरासत : भविष्य की दृष्टि

मगध विश्वविद्यालय आज परिवर्तन के एक नए युग की दहलीज पर है। भगवान बुद्ध की ज्ञानप्रद और पवित्र भूमि पर अवस्थित हमारा संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता, निष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुकरणीय उदाहरण बनकर उन्नति की नई राहें प्रशस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारी दृष्टि

एक विश्वस्तरीय बहु–सांस्कृतिक विश्वविद्यालय बने जो आलोचनात्मक जागरूकता प्रदर्शित करे, गैर–भेदभाव को बढ़ावा दे, तथा छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाए और साथ ही अपने समुदाय और सांस्कृतिक विरासत के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे।

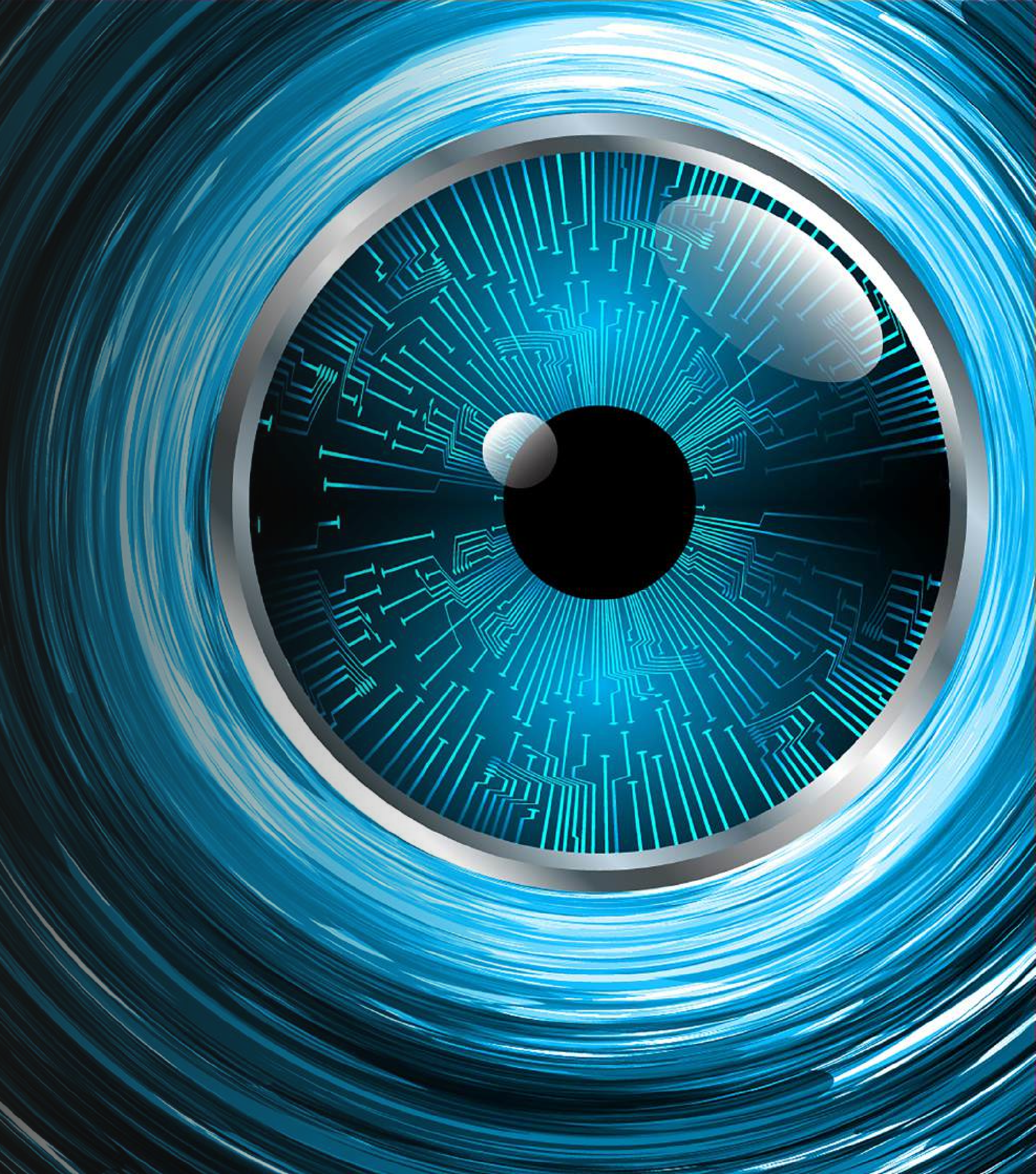

🎓 प्रथम वर्ष: बदलाव की आधारशिला

शिक्षा में क्रांति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का पूर्ण क्रियान्वयन, चयन-आधारित क्रेडिट प्रणाली और NAAC मान्यता

डिजिटल शासन

प्रवेश से परीक्षा तक सभी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और पूर्ण पारदर्शिता

AI उत्कृष्टता केंद्र

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल मार्केटिंग में शोध और प्रशिक्षण

स्मार्ट कक्षाएं

स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और ऑडियो-वीडियो सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक कक्षाएं

डिजिटल पुस्तकालय

1.62 लाख पुस्तकों का डिजिटलीकरण - कहीं से भी, कभी भी पहुंच

हाई-स्पीड वाई-फाई

पूरे परिसर में कक्षाओं, पुस्तकालयों और छात्रावासों में इंटरनेट

शोध विकास

बीज अनुदान, उद्योग सहयोग और पेटेंट सुरक्षा तंत्र

गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन

Scopus और Web of Science में प्रकाशन को बढ़ावा

गाँव गोद योजना

2-3 गाँवों में स्वास्थ्य शिविर, साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण

पर्यावरण संरक्षण

व्यापक वृक्षारोपण, सौर ऊर्जा और कचरा प्रबंधन

ब्लेंडेड लर्निंग

ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षण का सर्वोत्तम संयोजन

आधुनिक सुविधाएं

छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्र और खेल मैदानों का नवीनीकरण

2-3
गाँव गोद लिए जाएंगे

1.62L+
पुस्तकों का डिजिटलीकरण

100%
वाई-फाई कवरेज

NEP 2020
पूर्ण क्रियान्वयन

🎓 द्वितीय-तृतीय वर्ष: विस्तार और सशक्तीकरण

बहुविषयक उत्कृष्टता
- ✓ अंतर्विषयक परिषद की स्थापना
- ✓ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी कार्यक्रम
- ✓ डिजिटल मानविकी पाठ्यक्रम
- ✓ बायोइंफॉर्मेटिक्स एकीकरण
- ✓ नियमित पाठ्यक्रम समीक्षा

रोजगार क्षमता वृद्धि
- ✓ व्यावसायिक प्लेसमेंट सेल
- ✓ मासिक कौशल कार्यशालाएँ
- ✓ कॉर्पोरेट कनेक्ट कार्यक्रम
- ✓ अनिवार्य इंटर्नशिप
- ✓ पूर्व छात्र मार्गदर्शन

उद्यमिता विकास
- ✓ समर्पित उद्यमिता प्रकोष्ठ
- ✓ स्टार्टअप संस्कृति निर्माण
- ✓ समस्या-समाधान प्रशिक्षण
- ✓ नवाचार प्रोत्साहन
- ✓ जोखिम प्रबंधन कौशल

सुदृढ़ शोध संस्कृति
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय डेटाबेस सदस्यता
- ✓ केंद्रीय अनुसंधान केंद्र
- ✓ प्रकाशन प्रोत्साहन राशि
- ✓ 10+ स्टार्टअप इनक्यूबेशन
- ✓ पाँच वर्षीय शोध रणनीति

शैक्षणिक लचीलापन
- ✓ बहु-प्रवेश/निकास व्यवस्था
- ✓ 1 वर्ष = सर्टिफिकेट
- ✓ 2 वर्ष = डिप्लोमा
- ✓ शैक्षणिक क्रेडिट बैंक
- ✓ हस्तांतरणीय क्रेडिट्स

ऑनलाइन शिक्षा
- ✓ डेटा साइंस पाठ्यक्रम
- ✓ डिजिटल मार्केटिंग कार्यक्रम
- ✓ अपग्रेडेड LMS प्लेटफॉर्म
- ✓ शिक्षक डिजिटल प्रशिक्षण
- ✓ UGC अनुपालन मानक

10+	100%	5	∞
स्टार्टअप्स	इंटर्नशिप	वर्षीय रणनीति	लचीलापन

हमारा लक्ष्य

JOB

परिवर्तन के स्तंभ

5
डिजिटल परिवर्तन

1
शैक्षणिक उत्कृष्टता

विद्या की नींव
छह स्तंभों पर टिकी उत्कृष्टता

4
सामुदायिक संलग्नता

2
अनुसंधान और नवाचार
विचार से समाधान की यात्रा

3
रोज़गार क्षमता

साथ मिलकर बनाएँ उत्कृष्टता की नई इबारत

मगध विश्वविद्यालय - ज्ञान का प्रकाश स्तंभ

बोटैनिकल गार्डेन एवं तितली उद्यान

तितली पालन और संरक्षण पार्क, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

इस परियोजना में बोधगया में स्थित मगध विश्वविद्यालय में एक तितली पालन और संरक्षण पार्क बनाने का प्रस्ताव है। इसका मुख्य लक्ष्य तितलियों के फलने–फूलने और उनकी आबादी को बढ़ाने के लिए एक प्राकृतिक निवास स्थान स्थापित करना है, साथ ही छात्रों और विद्वानों के लिए तितली से संबंधित अनुसंधान की सुविधा के लिए एक प्रयोगशाला भी विकसित करना है। इस परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, जिसमें भूमि की तैयारी, पानी और बिजली की व्यवस्था, वृक्षारोपण और फिर अंत में प्रयोगशाला की स्थापना शामिल है। इस परियोजना का लक्ष्य छात्रों और शोधकर्ताओं को तितली पारिस्थितिकी और प्रजातियों के अध्ययन के लिए एक संरक्षित क्षेत्र प्रदान करना है।

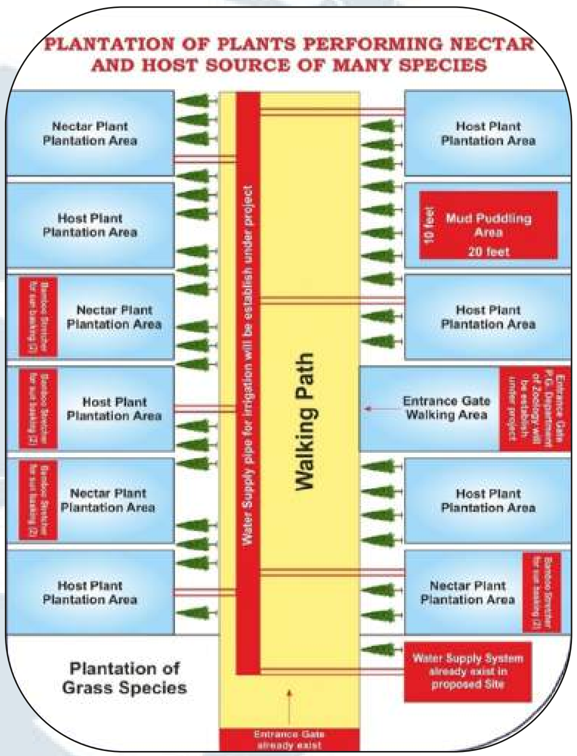

तितली पालन और संरक्षण पार्क के विकास के लिए मास्टर प्लान

मगध विश्वविद्यालय का प्रस्तावित DPR

ENTRANCE GATE

NEW ADMINISTRATIVE BLOCK (G+4)

VOCATIONAL BLOCK (G+4)

GUEST HOUSE (G+4)

LIBRARY AND RESEARCH CENTRE (G+3)

PLAY GROUND

CANTEEN & FACILITY CENTER (G)

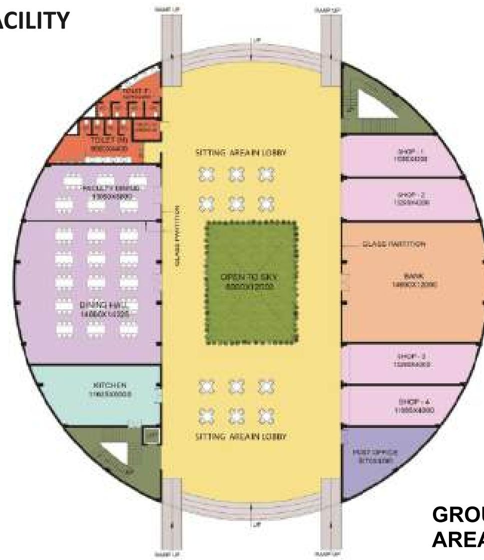

GROUND FLOOR
AREA- 1701.55 SQ.MT.

2000 CAPACITY AUDITORIUM & RESEARCH CENTER (G+3)

2000 CAPACITY AUDITORIUM & RESEARCH CENTER (G+3) - MASTER PLAN

VC RESIDENCE (G+1)

PRO VC RESIDENCE (G+1)

REGISTRARAR RESIDENCE (G)

STATUE OF SAMRAT ASHOK

STATUE OF ACHARYA CHANAKYA

STATUE OF CHANDRAGUPTA

4 BHK WITH SERVANT ROOM (S+7)

4 BHK WITHOUT SERVANT ROOM (S+7)

4 BHK WITH SERVANT ROOM
3 BHK (S+7)

2 BHK (S+7)

वर्ष 2023

खबरों के आईने में

कार्यक्रम • मगध विवि स्नातकोत्तर बायोटेक्नोलॉजी विभाग में मनाया गया इंटरनेशनल डे ऑफ इम्यूनोलॉजी

कोविड-19 महामारी के दौरान हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को दुनिया ने माना : वीसी

नैक ए ग्रेड मिलने की जताई आशा

अच्छी इम्युनिटी की बुनियाद सूक्ष्म पोषक तत्व

क्विज में छात्रों ने लिया हिस्सा

इम्यून के लिए छोड़ें जंक फूड

मगध विश्वविद्यालय. शोध क्लब की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम और पौधारोपण का आयोजन

सकारात्मक ऊर्जा से भरे हैं छात्र-छात्राएं : वीसी

कुलपति प्रो एसपी शाही ने पौधारोपण कर छात्रों का बढ़ाया हौसला

मगध विश्वविद्यालय में दो जून को होगा छात्र संवाद कार्यक्रम

प्रभात खबर https://epaper.prabhatkhabar.com/c/72272442

कार्यक्रम • रिसर्च एथिक्स एंड प्रोजेक्ट राइटिंग विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

जब हम एक साथ एक लक्ष्य की ओर कार्य करेंगे, तो अवश्य अच्छा हासिल होगा: वीसी

हुआ 700 से अधिक रजिस्ट्रेशन

डॉ. नीरज की पुस्तक का हुआ विमोचन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

भारतीय शिक्षा तंत्र को विश्वस्तरीय स्तर पर उत्कृष्ट बनाने की कवायद

इसी सत्र से लागू हो नई शिक्षा नीति : राज्यपाल

वर्ष के अंत तक मगध वि वि का सत्र होगा नियमित, सीनेट की बैठक में औरंगाबाद में वि वि की शाखा कार्यालय खोलने की उठी मांग

जागरण संवाददाता, बोधगया : राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि इसी सत्र से स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर नई शिक्षा नीति लागू करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति गुरुकुल की परंपरा और आधुनिक शिक्षा का मिश्रण है। इसे लागू करने में सभी हित धारकों की सहभागिता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। वे गुरुवार को मगध विश्वविद्यालय में वार्षिक सीनेट की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मवि की स्थापना के बाद पहली बार सीनेट की बैठक की अध्यक्षता किसी कुलाधिपति ने की। कहा कि शिक्षा केंद्रित विमर्श के लिए एक और बैठक बुलाई जाए। पेंशनधारियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही सारे लाभांश के साथ कागजात उपलब्ध हों। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ मिलकर सामाजिक सरोकार एवं देश हित में कार्य करना चाहिए। अकादमिक माहौल ऐसा बने कि छात्रों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए राज्य से बाहर दूसरे प्रदेश में नहीं जाना पड़े। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, राष्ट्रगान और एमयू के कुलगीत से हुआ। सीनेट की बैठक में 746 करोड़ के घाटानुदानित बजट को ध्वनिमत से पारित किया गया। कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही ने कहा कि विलंबित सत्र, परीक्षाएं, कक्षाएं और परिणाम ये वे चुनौतियां हैं, जिनके कारण विश्वविद्यालय की छवि विगत वर्षों में नकारात्मक हो चली थी। मैं पूरे विश्वास के साथ यह कह सकता हूं कि इसी वर्ष के अंत तक मगध विश्वविद्यालय का सत्र नियमित हो जाएगा। आइआइएम के लिए मवि के भूखंड आवंटन के बाद छात्रावास की समस्या थी। अब शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से तीव्र गति से नए छात्रावासों का निर्माण कराया जा रहा है।

नैक मूल्यांकन को लेकर मगध यूनिवर्सिटी गंभीर

मगध विश्वविद्यालय. स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलीं प्रो अनीता सिंह

पांच मिलेट्स को छोड़ने से हमें मिलीं कई बीमारियां

प्रभात खबर https://epaper.prabhatkhabar.com/c/73183833

नृत्य व संगीत की प्रस्तुति के साथ मनाया कारगिल विजय दिवस

बोधगया | मगध विवि के मदू लाल केन्द्रीय पुस्तकालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि कुलपति प्रो एसपी शाही ने दीप प्रज्वलित कर किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो ब्रजेश राय एवं सदस्यों द्वारा कुलपति प्रो एसपी शाही का 51 किलो के पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया, जिसे काशी विश्वनाथ मंदिर से मंगाया गया था। सर्वप्रथम एकल नृत्य प्रतियोगिता से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें गया महाविद्यालय, मिर्जा गालिब कॉलेज, जेजे महाविद्यालय, एएम कालेज की छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रियंका कुमारी, गया कॉलेज, गया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जीबीएम, गया की दिव्या मिश्रा और एएम कालेज, गया की नवनीत मिश्रा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में मिर्जा गालिब कॉलेज गया की रिया पाठक ने प्रथम स्थान, एएम कालेज, गया की प्रिया द्वितीय स्थान तथा अनीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तत्पश्चात सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में जेजे कॉलेज गया की छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुति देने पर प्रथम पुरस्कार, मिर्जा गालिब कॉलेज की छात्राओं को द्वितीय पुरस्कार व एएम कालेज, गया छात्राओं को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

कारगिल दिवस पर प्रस्तुति देती छात्राएं।

बड़ी सुविधा. प्रवेश, कार्यक्रमों, संकायों, शोध और अन्य जानकारियां आसानी से होगी सुलभ

मगध विश्वविद्यालय की वेबसाइट लॉन्च

स्टूडेंट्स को होगी आसानी

जलजीवन बायु संपूर्ण राष्ट्र के ये लेता : कुलपति

प्रभात खबर https://epaper.prabhatkhabar.com/c/72873874

Magadh University constitutes cell for redressal of grievances

Kumod Verma

The university has issued a directive to all PG heads, teachers and office staff to remain present in their respective departments and office daily

TIMES NATION

एमयू के स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग में एक दिवसीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पुरखों की लंबी उम्र और सेहत का असली राज मोटे अनाज थे: वीसी

मगध विवि

■ शोधार्थी व छात्राओं द्वारा बनाए रंगोली को अतिथियों ने देखा
■ मोटे अनाज से लगाई गई प्रदर्शनी को देख खुश हुए अतिथि

थाली से पारंपरिक अनाज हो रहे लुप्त : प्रो. अनिता

कार्यक्रम. जी-20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम के तहत विशेष व्याख्यान

पीएम की विशिष्ट विदेश नीति ने विश्व में भारत का मान बढ़ाया

कार्यक्रम

प्रो एसएन सिंह ने रिविसिटिंग इंडियाज फॉरेन पॉलिसी शीर्षक पर रखी बात

मगध विवि में आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान

मगध विवि और ताइवान शु ची फाउंडेशन के बीच सहयोग पर बैठक

मगध विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद कार्यक्रम की शुरूआत

भोर वैभव । प्रदीप भारद्वाज

गया: मगध विश्वविद्यालय बोध गया के कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही के कुशल मार्गदर्शन में शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड बनाने की ओर अग्रसर है। भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा में नवाचार एवं शोध संस्कृति को व्यवस्थित रूप से स्थापित करने तथा उच्च शिक्षण संस्थानों को एक निश्चित दिशा प्रदान करने हेतु शिक्षा विभाग (भारत सरकार) के इनोवेशन प्रकोष्ठ ने एआईसीटीई के साथ भागीदारी कर संस्था नवप्रवर्तन परिषद(इंस्टीट्यूशन इनोवेशन परिषद) कार्यक्रम को प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा मगध विश्वविद्यालय को विधिवत पंजीकृत किया गया है। शुक्रवार को विद्वत परिषद की बैठक में आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. मुकेश कुमार और सह-समन्वयक डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह ने माननीय कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही को शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर कुलपति ने शोध कार्यों को उच्चतम स्तर पर लाने के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों का आह्वान किया और इस कार्य में विश्वविद्यालय प्रशासन के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

घरेलू और वाह्य कारणों से अमेरिका की शक्ति का हो रहा पतन : प्रो. अमिताभ

भारत सदैव स्वतंत्र कूटनीति का स्वामी रहा, किसी का पिछलग्गू नहीं बना : कुलपति

स्त्री अध्ययन विभाग में 'लैंगिक संवेदीकरण समय की आवश्यकता' पर विशेष व्याख्यान

बोधगया (आससे)। स्त्री अध्ययन विभाग एवं आईक्यूएसी मगध विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को लैंगिक संवेदीकरण : समय की आवश्यकता शीर्षक पर एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रमकी शुरुआत डा. दीपा रानी प्रभारी स्त्री अध्ययन विभाग के स्वागत भाषण से किया गया। प्रो कुसुम कुमारी, पूर्व प्रति-कुलपति, मुंगेर विश्वविद्यालय ने विषय प्रवर्तन किया। मुख्य वक्ता प्रो आशा शुक्ला, पूर्व कुलपति बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू ने समाज में लैंगिक संवेदीकरण, समता एवं सशक्तिकरण विषयपर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने बिहार राज्य के विश्वविद्यालयों में स्त्री अध्ययन विभाग को मजबूत करनेकी बात कही।

कार्यक्रमके संरक्षक कुलपति प्रो एस पी शाही ने अपने वक्तव्य में स्त्री अध्ययन विभागको उत्कर्ष पर ले जाने की बात की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण हेतु भारतकी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी और 1971 के युद्ध के दौरान उनके कुशल नेतृत्वका उदाहरण दिया। साथ ही राजनीति और साहित्य में महिलाओं के विशेष योगदानकी बात कही। कुलपति प्रो शाही ने स्त्री अध्ययन को एच्छिक विषय के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने हेतु प्रयास का आश्वासन दिया। इसके अलावा कार्यक्रमके सह-संरक्षक प्रति-कुलपति प्रो बी आर के सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि प्रो आरके शुक्ल ने भी सम्बंधित विषय पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण, प्रो ब्रजेश राय, प्राक्टर डा उपेंद्र कुमार, समाज विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो आर एस जमुआर, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो मुकेश कुमार तथा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रो एस रिजवी, प्रो सरिता वीरांगना, प्रो पीयूष कमल सिन्हा, डा निर्मला कुमारी, प्रो के डी वर्मा, प्रो मुनीश्वर प्रसाद, प्रो अंजुम एवं शिक्षक डा अंजनी घोष, डा. प्रमोद चौधरी, डा शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं अन्य तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन संस्कृत विभाग की सहायक आचार्य डा. ममता मेहरा ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. वंदना कुमारी ने की।

महिला दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी में कुलपति समेत अन्य वक्ताओं ने रखे विचार

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में सरकार का काम सराहनीय

मगध विवि

अक्टूबर से मगध विवि का कामकाज होगा हिंदी में

हिंदी दिवस पर कुलपति प्रो. शाही ने की घोषणा

कार्यक्रम • मगध विवि में नए भारत के विकास के लिए अनुसंधान में वर्तमान रुझान पर दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

भारत को विकसित करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण के साथ नागरिकों को एक- दूसरे का सम्मान करना होगा

नवाचार से ही विकास संभव

5-day workshop begins at Magadh Univ

Alok Kumar | TNN

Gaya: A five-day workshop on 'Research Ethics and Project Writing' under the aegis of IQAC (internal quality assurance cell), Magadh University commenced on Monday at Radhakrishnan Auditorium, on the varsity campus. More than 700 registrations have already been completed for the workshop, which is being telecast in India and abroad through YouTube and Zoom.

Patron of the programme and MU vice-chancellor Prof. Shashi Pratap Shahi said, "Magadh University is trying to restore its glorious educational environment. It is a matter of great pleasure that this programme is being telecast through YouTube and the Zoom. The workshop will prove to be a milestone in completing the work required for the research project to get NAAC (National Accreditation and Assessment Council) assessment done." He urged all the teachers to extend cooperation to the university at their level and said that when we work together towards a common goal, we will surely achieve good.

Bihar State University Service Commission chairman Rajvardhan Azad said that organizing such a workshop is very important to re-energise the academic environment of the university. He thanked the MU administration for organizing the workshop in such a short time. Programme convenor Prof. Rahmat Jahan, department of English, said that organizing this workshop under the guidance of new VC is a great achievement in itself.

Organizing secretary Shailendra Kumar, assistant professor of philosophy, said that this workshop is a great opportunity for teachers and the researchers, where they will get an opportunity to learn in detail about research and project writing.

कार्यक्रम • मगध विश्वविद्यालय में तीसरे दो दिवसीय बिहार सोशल साइंस कांग्रेस 2023 शुरू

विकास का पैमाना केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि समावेशी विकास हो : मंत्री

एमयू. भूगोल विभाग में आयोजित व्याख्यान में पीयू के पूर्व कुलपति ने कहा

विश्व की अर्थव्यवस्था के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा जी-20

प्रभात खबर Thu, 20 July 2023 https://epaper.prabhatkhabar.com/c/72981620

वर्ष 2024

युवा शक्ति
03 Jan 2024 - Page 5

कुलपति के नेतृत्व में मगध विश्वविद्यालय एवं थाइलैंड के प्रतिनिधि के बीच बैठक आयोजित

डॉ. चंद्रास्मि ने थाईलैंड के विश्वविद्यालयों और मगध विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग और एमओयू की संभावनाओं

गया/पटना: मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो एसपी शाही के नेतृत्व में थाईलैंड के प्रतिनिधिमंडल और मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के बीच एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें दोनों पक्षों के बीच सहयोग के तरीकों पर चर्चा की गई. थाईलैंड के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व थाईलैंड के प्रधान मंत्री कार्यालय के सार्वजनिक क्षेत्र विकास प्रभाग की निदेशिका डॉ प्राप्सोर्न चंद्रास्मि ने किया. थाई सदस्यों में डॉ गोश धानट संकयानफेट और अन्य शामिल थे. प्रतिनिधिमंडल के साथ संयुक्त राष्ट्र के विश्व शांति संस्थान के राजदूत महामहिम डॉ फाविंद्र सिंह भी मौजूद थे. अपने संबोधन में कुलपति ने दोनों देशों के बीच समृद्ध सांस्कृतिक और व्यापार संबंधों के लंबे इतिहास पर प्रकाश डाला. उन्होंने मगध विश्वविद्यालय के भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति के पवित्र स्थान पर होने के ऐतिहासिक महत्व के बारे में बताया. साथ ही उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि थाईलैंड के माननीय रक्षा मंत्री डॉ सुतिन कुलांगलांग मगध विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं और उन्होंने एक पूर्व छात्र बैठक आयोजित करने और उनका स्वागत करने का वादा किया. डॉ चंद्रास्मि ने थाईलैंड के विश्वविद्यालयों और मगध विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग और एमओयू की संभावनाओं पर चर्चा की. उन्होंने बौद्ध दर्शन के विभिन्न आयामों, कारण और प्रभाव के नियमों और जीवन की घटनाओं की अंतर्व्याप्तिता पर चर्चा की. विश्व शांति के क्षेत्र में काम करने का समृद्ध अनुभव रखने वाले डॉ सिंह ने यूक्रेन-रूस और फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष और विभिन्न संकटों से निपटने के लिए कोविड के बाद की विश्व तैयारियों पर विचार-विमर्श किया. इस अवसर पर कुलसचिव डॉ समीर शर्मा ने भी प्रतिनिधिमंडल को संबोधित किया और सभी कोनों से महान विचारों का स्वागत करने की भारतीय परंपरा पर जोर दिया. बौद्ध दर्शन के मूल के रूप में पीड़ा की अनुभूति और कोविड 19 के रूप में मानवीय पीड़ा ने पूरी मानवता को एकजुट कर देने की बात कही. अंत में आईक्यूएसी समन्वयक प्रो मुकेश कुमार ने प्रस्तावित एमओयू पर काम करने और शिक्षा और नवाचार में संभावित सहयोग के लिए मगध विश्वविद्यालय की तैयारियों से अवगत कराया. बैठक में सभी विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष, आईक्यूएसी सदस्य और शिक्षक उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया.

प्रायोगिक व आंतरिक मूल्यांकन समय पर मगध वि. के पोर्टल करना होगा अपलोड

प्रायोगिक व आंतरिक मूल्यांकन का परिणाम समय से विश्वविद्यालय न भेजने से कठिनाई

बैठक में विभागाध्यक्षों व प्रभारी की बैठक को संबोधित करते कुलपति • जागरण

जागरण संवाददाता, बोधगया : मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एसपी शाही ने कहा कि किसी भी पाठ्यक्रम की पढ़ाई महाविद्यालयों में कुलाधिपति द्वारा ऑर्डिनेंस और रेगुलेशन के अनुमोदन के पश्चात ही प्रारंभ कर सकेंगे। अध्ययन सत्र में बिहार सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नियम का ही अनुपालन किया जायेगा। मगध विश्वविद्यालय में अब एकेडमिक क्रेडिट बैंक अकाउंट खोला जाएगा। प्रायोगिक व आंतरिक मूल्यांकन कराया जाता है, किंतु समय से विश्वविद्यालय को प्रेषित नहीं किया जाता। जिससे रिजल्ट निकालने में देरी होती है। किंतु अब से प्राचार्य व प्रभारी तथा विभागाध्यक्ष को स्वयं विश्वविद्यालय के पोर्टल पर प्रायोगिक व आंतरिक मूल्यांकन को निर्धारित समय पर अपलोड करना होगा। उक्त बातें कुलपति प्रो शाही शुक्रवार को दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के सभागार में स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्षों, स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक व प्रभारी तथा अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों व प्रभारी प्राचार्यों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का काम छात्र हित का काम करना है। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के कारण विद्यार्थियों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों को परेशान करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा जो भी निर्देश दिए जाते हैं, उसका त्वरित अनुपालन सभी सुनिश्चित करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद मंडल ने कहा कि सभी प्राचार्य व विभागाध्यक्ष परीक्षा विभाग के द्वारा दिए गए निर्देशों का ससमय पालन करें। विद्यार्थियों को यदि कोई भी परीक्षा संबंधित समस्या हो, तो उनकी समस्या को एक्सेल फाइल में परीक्षा विभाग को प्रेषित करें। ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण ससमय किया जा सके। इस बैठक में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो ब्रजेश कुमार राय, कुलसचिव डॉ बिपिन कुमार, परीक्षा नियंत्रक विनोद मंडल, अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्य व प्रभारी प्राचार्य तथा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व प्रभारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम • मगध विवि में 22वें बिहार आर्थिक परिषद के अधिवेशन का किया उद्घाटन

डोमेस्टिक हैप्पी इंडेक्स को ध्यान में रखकर बने आर्थिक नीति : गडकरी

कहा- टेक्नोलॉजी का उपयोग कृषि, सड़क निर्माण व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार में हो

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को सम्मानित करते कुलपति।

विकास के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण जरूरी

कोई भी बीज व्यर्थ नहीं

अब मगध विवि में होगी एआई की पढ़ाई

बिहार बीमारू राज्य नहीं

विकास की आधुनिक अवधारणा आधुनिकीकरण के स्थान पर केवल पश्चिमीकरण तक सीमित

मगध विश्वविद्यालय में विकसित भारत विषय पर व्याख्यान का कुलपति ने किया उद्घाटन

मगध विश्वविद्यालय परिसर में विकसित भारत विषय पर आयोजित व्याख्यान का उद्घाटन करते कुलपति व अतिथि • जागरण

जागरण संवाददाता, बोधगया (गया): मगध विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से गुरुवार को विकसित भारत विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मगध विवि अंतर्गत शिक्षा विभाग के राधाकृष्णन सभागार में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया

सीखने की कोई उम्र नहीं होती, सीखने की कोशिश हर वक्त करनी चाहिए : कुलपति

नैक कराना केवल कुलपति और नैक समन्वयक की जिम्मेदारी नहीं

संबोधित करते मगध विवि के कुलपति

शिक्षक दिवस : बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को किया पुरस्कृत

समेकित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस

शिक्षकों को सम्मानित करते संघटन के लोग • जागरण

मगध विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, कार्यक्रम को किया संबोधित

देश हित में है सरकार की नई शिक्षा नीति: हरिवंश

स्थापना दिवस

मगध विवि के राधा कृष्णा सभागार में शुक्रवार को 63वां स्थापना दिवस समारोह में पुस्तक का विमोचन करते उपसभापति हरिवंश, प्रबंध निदेशक उमेश शर्मा, महेश सिंघवी सिंह, कुलपति प्रो. शशि प्रताप शाही व अन्य। • हिन्दुस्तान

स्टार्टअप से संवर रहा युवाओं का भविष्य

छात्रों को किया गया सम्मानित

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया को बदल रही

एमयू के राधा-कृष्ण सभागार में 63वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल मुख्य अतिथि उपसभापति हरिवंश को सम्मानित करते कुलपति एसपी शाही।

उपसभापति हरिवंश का गया जंक्शन पर भव्य स्वागत

कुलपति ने विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को रखा लोगों के सामने

मगध विश्वविद्यालय में करियर गाइडेंस सेंटर की हुई शुरुआत

करियर गाइडेंस सेंटर के शुभारंभ पर संबोधित करते कुलपति।

मानवाधिकार को अक्षुण्ण रखने में सभी का हो सामूहिक प्रयास : वीसी

अतिथि का स्वागत करते कुलपति।

आधुनिक विकास की नीति को बदलने की जरूरत

नैक एक्रेडिटेशन: चुनौतियां व अवसर पर हुआ सेमिनार

सेमिनार को संबोधित करते एमयू के कुलपति।

मगध विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में शुरू हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

लक्ष्य के प्रति सजग रहें शोधार्थी: शाही

सकारात्मक भाव में ईश्वर का होता वासः प्रो शाही

मगध विश्वविद्यालयः नवनिर्मित शिक्षक आवास का लोकार्पण

मगध विवि. प्रख्यात लेखिका के जन्मोत्सव पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, कुलपति बोले

उषा किरण के नाम पर मिलेगा शोध अवार्ड

जेडी वीमेंस कॉलेज की छात्राओं ने झिझिया किया प्रस्तुत

कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही व अन्य.

कार्यक्रम. बोधगया में मनाया गया अहिल्याबाई होल्कर का त्रिशताब्दी समारोह, बोले राज्यपाल

अहिल्याबाई अपनी कीर्ति से हैं लोकमाता

टीपू सुल्तान के राज्य में भी मंदिर का कराया था निर्माण

मगध विश्वविद्यालय के कुलपति को इजरायल का आमंत्रण

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. पी. शाही को इजरायल सरकार ने आमंत्रित किया है।

इजरायल सरकार ने प्रो. शाही को अतिविशिष्ट कुलपति प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने का आमंत्रण भेजा है। आमंत्रण पत्र भारत में इजरायल के राजदूत नेओर गिलोन की ओर से मगध विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ है। प्रतिनिधिमंडल में भारत के चुनिंदा विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अतिप्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुख शामिल होंगे। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य उद्देश्य भारत और इजरायल के मध्य सार्थक सहयोग एवं संवाद को बढ़ावा देना है। प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से कुलपति एवं संस्थाओं के प्रमुख इजरायल के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयो और पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर इजरायल के समृद्ध सांस्कृतिक और शैक्षणिक विरासत से परिचित होंगे। साथ ही दोनों देशों के मध्य शैक्षणिक सहयोग एवं संबंधों को बढ़ावा देने की गतिविधियों पर सार्थक विमर्श होगा। दोनों देश के समुदायों के मध्य सार्थक संवाद स्थापित करना भी प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य है। 21 से 25 जुलाई के आयोजन में शामिल होने के लिए कुलपति प्रो. शाही को राज्य सरकार एवं कुलाधिपति कार्यालय की अनुमति प्राप्त हो गयी है। समस्त व्यय इजरायल सरकार के द्वारा वहन किया जायेगा। इस अतिप्रतिष्ठित शैक्षणिक भ्रमण प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से मगध विश्वविद्यालय वैश्विक पटल पर अपनी पहचान सुनिश्चित करेगा।

मगध विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग में शुरू हुई एक सप्ताह तक चलने वाली मूक्स कार्यशाला

अध्यापन के साथ-साथ अनुसंधान पर भी ध्यान देना शिक्षकों के लिए बड़ी चुनौती

नवागत शिक्षकों का होगा ज्ञानवर्द्धन

मगध विश्वविद्यालय में खुला बिहार समाजशास्त्र परिषद का कार्यालय

कुलपति को बुके भेंट कर स्वागत करते समाजशास्त्र परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य.

महाबोधि मंदिर की खोज के संबंध में लगी विशेष प्रदर्शनी

प्रदर्शनी देखते कुलपति सहित अन्य।

अकादमिक विचार मंच व आइक्यूएसी की ओर से हुआ सेमिनार

बाबू जगजीवन राम देश के दिग्गज राष्ट्रीय नेताओं में अग्रणी : कुलपति

कार्यक्रम • मगध विश्वविद्यालय में बेसिक टेक्नोलॉजी इन माइक्रोबायोलॉजी पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

मगध विश्वविद्यालय का रहा है गौरवपूर्ण इतिहास

खेलकूद. फाइनल मैच में मिथिला विवि को 44- 30 से हराया, कुलपति व खेल निदेशक ने दी बधाई

चांसलर ट्रॉफी में मगध विवि ने लहराया परचम

सीयूएसबी के खिलाड़ियों को चांसलर ट्रॉफी में किया गया पुरस्कृत

सौगात • मविवि प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग के विभागीय संग्रहालय का जीर्णोद्धार के बाद उद्घाटन

विभागीय संग्रहालय में 30 से 50 हजार वर्ष प्राचीन आदिमानव काल के पत्थर के औजार का है संग्रह

कई देशों के सिक्के संग्रहित

मगध विवि के एमबीए के विद्यार्थियों को बंधन बैंक ने दिया चार लाख का पैकेज

मगध विवि में नई सदी की हिंदी, परिवर्तन और संभावनाएं पर हुई संगोष्ठी

अब उच्च शिक्षण संस्थानों में हो रही हिंदी भाषा में पढ़ाई: कुलपति

अवसर • कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में मगध विश्वविद्यालय में होगी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना

एआई में पाठ्यक्रम से छात्रों को भविष्य की नौकरियों के लिए करेंगे तैयार : वीसी

सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर कई पाठ्यक्रम होंगे उपलब्ध

कार्यक्रम. मगध विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह, अतिथियों ने रखे विचार

हिंदी हमारी स्मृति, संस्कृति व शोध की भाषा

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

कार्यक्रम में शामिल स्टूडेंट्स व शिक्षक।

मगध विवि. काउंसेलिंग सेंटर का कुलपति ने किया उद्घाटन

मनोवैज्ञानिक परामर्श व करियर मार्गदर्शन में 'सारथी' का साथ

विद्यार्थियों के शैक्षणिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण पहल

एस सिन्हा कॉलेज में एमलिस की पढ़ाई

औरंगाबाद, बुधवार 21 मई 2025 5

बोधगया, निज प्रतिनिधि। मगध विश्वविद्यालय के एस सिन्हा कॉलेज औरंगाबाद में गुरुवार को अभिषद की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के विकास और शैक्षणिक सशक्तिकरण को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसपी शाही ने की।

■ अभिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

■ दीक्षांत समारोह को लेकर प्रस्तुत किया गया विजन

एस सिन्हा कॉलेज औरंगाबाद में गुरुवार को बैठक में शामिल कुलपति प्रो एसपी शाही।

मगध विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 पर संगोष्ठी आयोजित

वनस्पति विज्ञान विभाग के परिसर में पुनर्निर्मित वनस्पति उद्यान का उद्घाटन

हर्बल गार्डन व फॉसिल पार्क शैक्षणिक गतिविधियों को नयी ऊर्जा देंगे : वीसी

भारत से चयनित नौ में चार शोधार्थी मगध विश्वविद्यालय से

शोधार्थियों ने वैश्विक मंच पर बढ़ाया भारत का मान

एमयू के छात्रों ने ज्वलंत मुद्दों पर रखा शोध

शोध छात्राओं ने नवीन पेटेंट का किया प्रस्तुतीकरण

मगध विश्वविद्यालय द्वारा बिहार का एआइ में नई उड़ान, डिप्लोमा से पोस्ट ग्रेजुएट तक होगी पढ़ाई

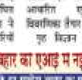

राष्ट्रपति की उपस्थिति में नयी दिल्ली में हुआ एमओयू हस्ताक्षर

अब मगध विश्वविद्यालय में पढ़ने आयेंगे देशभर के बच्चे

टिकारी कॉलेज: सात विषयों में पी...

टिकारी, निज संवाददाता। भगवत नारायण सिन्हा कॉलेज टिकारी में रविवार को पीजी सेंटर का शुभारंभ हुआ। सेंटर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक सह पूर्व मंत्री डॉ. अनिल कुमार और मगध विवि के कुलपति प्रो. एसपी शाही ने किया। इससे पहले कॉलेज के संस्थापक सचिव ठाकुर मुनिश्वर नाथ सिंह की आदमकद प्रतिमा पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया। टिकारी कॉलेज में सात विषयों में पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) की पढ़ाई होगी।

62वें अखिल भारतीय राजनीतिक विज्ञान सम्मेलन एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन

जीआइएस व रिमोट सेंसिंग में शुरू होगा एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा कोर्स

बदलेगा. कैसलेस होगी प्रक्रिया, छात्र मुख्यालय तक 200 किमी के चक्कर से बचेंगे

एमयू : नए साल से सभी आवेदन ऑनलाइन लिये जाएंगे, कॉलेज में ही मिलेंगे सर्टिफिकेट

प्रतिवर्ष डेढ़ लाख छात्रों को होगी सहूलियत, एमयू कैंपस में माफियाओं का वर्चस्व टूटेगा

एमयू में कैंपस पूल प्लेसमेंट ड्राइव में केमिस्ट्री के 38 छात्रों का हुआ चयन, कुलपति ने दी शुभकामनाएं

इंडियन आर्मी और मगध यूनिवर्सिटी मिलकर युवाओं को भारतीय सेना में संवारेंगे करियर

कुलपति से मिलकर सैन्य अफसरों ने भर्ती प्रक्रिया पर की चर्चा

MAGZTER

सब मगहिया लोगन के चाही अपने च अप्पन भाषा में बातचीत करीं

विश्वविद्यालय के मासिक न्यूज़लेटर का विमोचन

Three-Day International Workshop on Research Methodology Begins at Magadh University

एमयू ने आरएस मेमोरियल कैंसर सोसायटी के साथ किया एमओयू

मगध विवि में स्थापित होगा भारत का पहला विवि आधारित प्रौद्योगिकी केंद्र

कुलपति ने किया इंसेक्ट जेनेटिक्स एंड बायोटेक्नोलॉजी का लोकार्पण

पीजी की पढ़ाई

- स्नातकोत्तर में इसी सत्र से लिया जाएगा नामांकन
- एसएनएस कॉलेज टिकारी में पीजी सेंटर का हुआ उद्घाटन
- वीसी ने कहा, यूजी में बढ़ायी जाएगी दस फीसदी सीटें

From Bodh Gaya to Seoul

अच्छी पहल. बोधगया के महत्व पर अनुसंधान के लिए हुआ अनुबंध

बोधगया मठ में मौजूद पांडुलिपियों पर शोध करेंगे एमयू के स्टूडेंट्स

कार्यक्रम. सामाजिक विज्ञान में राष्ट्र की अवधारणा पर हुआ राष्ट्रीय सम्मेलन

सामाजिक विज्ञान में भारतीय दृष्टिकोण बने सशक्त

भारतीय परंपरा व चिंतन को सशक्त करने पर जोर

राष्ट्र हमारी अस्मिता और मान-सम्मान से जुड़ा

प्रोन्नति के लिए एमयू के शिक्षक कर्मचारियों ने दी परीक्षा

संस्कृत भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा

मगध विश्वविद्यालय के कुलपति कार्यालय व एक दिन के लिए हिंदी विभाग में स्थानांतरण

सभी के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगी डायरी

मगध विश्वविद्यालय में पीजी थर्ड सेमेस्टर का परीक्षा प्रोग्राम जारी

22 से 31 जनवरी तक होगी परीक्षा

मगध विवि में खुलेगा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रशिक्षण केंद्र

एजुकेशन रिपोर्टर | बोधगया

विवि में उद्योग एवं पथ निर्माण के मुख्य सचिव मिहिर कुमार का स्वागत कुलपति प्रो एसपी ने किया। मुख्य सचिव मिहिर सिंह ने मगध विश्वविद्यालय एमएसएमई केंद्र खोलने की को ऐतिहासिक बताते हुए कि इससे बिहार के युवाओं को सायिक प्रशिक्षण और अप संस्कृति को बढ़ावा। उन्होंने विश्वविद्यालय के सात्मक प्रयासों की सराहना हुए हर संभव सहयोग का वासन दिया। कुलपति प्रो शाही ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय अब केंद्र सरकार के सहयोग से एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करने जा रहा है, जो स्थानीय युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करेगा। यह प्रशिक्षण केंद्र न केवल शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम होगा, बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। यह केंद्र मगध विश्वविद्यालय को न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाएगा, बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक पुनर्जागरण का भी पथप्रदर्शक सिद्ध होगा।

मगध विश्वविद्यालय बोधगया द्वारा वर्ष 2023-2024 मे हुए सेवानिवृत कर्मचारियों का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

उद्योग व पथ निर्माण मंत्री दिलीप जायसवाल से मगध विश्वविद्यालय के कुलपति की शिष्टाचार भेंट

इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 1000 करोड़ की योजना तैयार

स्किल डेवलपमेंट सेंटर का 30 हजार वर्गफीट में होगा निर्माण

MU Inaugurates Centre for Law

MU, Chinese consul general discuss academic cooperation

कर्मियों के दम पर लौट रहा एमयू का पुराना वैभव : वीसी

जय शिक्षा
जय मगध

बिहार के
माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति
श्री आरिफ मोहम्मद खां
एवं
माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार
के मार्गदर्शन में
मगध विश्वविद्यालय प्रगति की राह पर अग्रसर

यह कॉफी टेबल बुक केवल शब्दों और चित्रों का आकर्षक संयोजन नहीं, यह एक वचन है, एक संकल्प है। मगध विश्वविद्यालय की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए हमने अनेक बाधाओं और चुनौतियों को पार किया है। कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की है। विश्वविद्यालय का हर विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी इस अद्वितीय यात्रा का हिस्सा है। यहाँ से हम एक सुनहरे भविष्य की ओर जाने के लिए तैयार हैं।

– प्रो. एस.पी. शाही
कुलपति
मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

सम्पादक–मण्डल

- डॉ. परम प्रकाश राय (संयोजक)
- डॉ. ममता मेहरा (सह–संयोजक)
- श्रीमती पूनम सिंह (सह–संयोजक)
- डॉ. वंदना कुमारी
- डॉ. दिव्या मिश्रा
- श्री शंकर शर्मा
- डॉ. चन्द्र प्रकाश
- डॉ. राकेश कुमार रंजन
- डॉ. धर्मेन्द्र कुमार

www.magadhuniversity.ac.in
Magadh University Bodhgaya
@magadhuniversi1

अमृतं तु विद्या
मगध विश्वविद्यालय

सुनहरे कल की ओर